मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, सोमवार, 18 अगस्त 2025

संवत 2082, भाद्रपद कृष्ण पक्ष 9 मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 345 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ भारत के आर्थिक विकास में जनजाति समाज का है भरपूर योगदान

रिलीज से एक दिन पहले टली सोनाक्षी सिन्हा का फिल्म ◀◀ 6

बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण

चुनाव आयोग ने वोटर लिस्ट से हटाए गए 65 लाख लोगों के नामों की लिस्ट की जारी

एजेंसी

नई दिल्ली : मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद बिहार की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत हटाए गए नामों की सूची जिला मजिस्ट्रेटों की वेबसाइटों पर डाल दी गई है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने पिछले सप्ताह चुनाव आयोग को आदेश दिया था कि वह मतदाता सूची से हटाए गए 65 लाख नामों का पूरा ब्योरा सार्वजनिक करे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि भारत में संसद और विधानसभा चुनावों की व्यवस्था एक बहु-स्तरीय व विकेंद्रीकृत ढांचे पर आधारित है। मतदाता सूची तैयार करने की जिम्मेदारी इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर्स (ईआरओ) और बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) की होती है, जो एसडीएम स्तर के अधिकारी होते हैं। सूची की सटीकता सुनिश्चित करना इन्हीं अधिकारियों का दायित्व है।

उन्होंने बताया कि ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद इसकी डिजिटल और भौतिक प्रतियां सभी राजनीतिक दलों को दी जाती हैं और साथ ही इसे चुनाव आयोग की वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराया जाता है, ताकि कोई भी व्यक्ति इसे देख सके। इस प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता बरती जाती है।

दावे और आपत्तियों का अवसरः ज्ञानेश कुमार ने जानकारी दी कि बिहार में ड्राफ्ट मतदाता सूची 1 अगस्त को प्रकाशित की गई थी, जिस पर 1 सितंबर तक दावे और आपत्तियां दर्ज कराई जा सकती हैं। इस अवधि में कोई भी नागरिक या राजनीतिक दल पात्र मतदाताओं को शामिल करने या अपात्र नामों को हटाने का आवेदन कर सकता है। इससे अंतिम मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने में मदद मिलती है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने यह भी कहा कि कुछ राजनीतिक दल इस विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया को लेकर भ्रामक प्रचार कर रहे हैं, जो चिंता का विषय है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह पूरी प्रक्रिया कानूनी और पारदर्शी है। साथ ही नागरिकों से अपील की कि वे अफवाहों से बचें और केवल आधिकारिक स्रोतों से ही जानकारी प्राप्त करें।

कृष्णाष्टमी समारोह के दौरान बड़ा हादसा, करंट लगने से पांच लोगों की मौत, चार घायल

एजेंसी

हैदराबादः तेलंगाना के हैदराबाद में रविवार रात श्री कृष्णाष्टमी समारोह के दौरान एक दुखद दुर्घटना में उप्पल पुलिस थाना अंतर्गत रामंतपुर गोखले नगर में एक रथ के बिजली के तारों के संपर्क में आने पर करंट लगने से पांच लोगों की मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब यादव संगम समारोह हॉल में आयोजित एक जुलूस में शामिल भगवान कृष्ण की मूर्ति वाले रथ में सवार नौ लोग रथ को आगे बढ़ा रहे थे तभी रथ ऊपर से गुजर रहे बिजली के तारों के संपर्क में आ गया जिससे बिजली का जोरदार झटका लगा। पांच लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को बेहतर इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और शवों को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल भेज दिया है। आगे की

जांच जारी है। इस बीच, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ और परिवहन मंत्री पूनम प्रभाकर ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने अधिकारियों से घटना की विस्तृत जानकारी ली और घायलों की स्थिति का जायजा लिया तथा बेहतर चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और लोगों से बारिश के दौरान बिजली के तारों के पास सावधानी बरतने की सलाह दी। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने भी दुख व्यक्त करते हुए पांच लोगों की मौत को हृदयविदारक बताया। मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और सरकार से पीड़ितों के परिवारों की सहायता करने, बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने का आग्रह किया।

मुंबई में भारी बारिश, आईएमडी ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट, बीएमसी ने स्कूलों की छुट्टी घोषित की

एजेंसी

मुंबई : मुबंई में सोमवार को लगातार तीसरे दिन भारी बारिश हुई, जिसके बाद आईएमडी ने शहर और आसपास के जिलों के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है। वाहन चालकों के अनुसार, कुछ इलाकों में मूसलाधार बारिश के कारण दृश्यता कम हो गई और यातायात धीमा हो गया। बृहन्मुंबई नगर निगम ने सोमवार को मुंबई के उन सभी स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी है, जहाँ दोपहर 12 बजे के बाद कक्षाएं शुरू होनी थीं। भारी बारिश के बाद कई सड़कें जलमग्न हो गईं। अंधेरी सबवे और लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स जैसे निचले इलाकों में कई जगहों पर पानी जमा हो गया, जिससे यातायात बाधित हुआ। कई इलाकों की सड़कें जलमग्न हो गईं, अंधेरी सबवे और लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स जैसे निचले इलाकों में पानी जमा हो गया जिससे यातायात बाधित हुआ। शहर की जीवनरेखा कही जाने वाली लोकल ट्रेनें 15 से 20 मिनट की देरी से चल रही हैं, जैसा कि पीटीआई ने अधिकारियों और यात्रियों के हवाले से बताया है। हालाँकि, बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति एवं परिवहन (बेस्ट) उपक्रम की बस सेवाओं के लिए कोई परिवर्तन नहीं किया गया।

इस बीच, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सचेत पोर्टल, जो वास्तविक समय में, भू-लक्षित आपदा अलर्ट प्रदान करता है, ने मुंबई शहर, मुंबई उपनगरीय और रायगढ़ जिलों के लिए दोपहर तक रेड अलर्ट जारी किया। आईएमडी ने मुंबई और ठाणे जिलों के लिए कम से कम मंगलवार तक ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जो रेड वार्निंग से एक स्तर नीचे है। इस अवधि के बाद, बारिश की तीव्रता कम होकर भारी बारिश होने की उम्मीद है।

जेलेंस्की चाहें तो अभी खत्म हो जायेगी जंगः ट्रंप

एजेंसी

वाशिंगटनः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट कहा है कि अगर यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की चाहें तो रूस के साथ युद्ध तुरंत समाप्त हो सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप ने 2014 में रूसी संघ में शामिल हुए यूक्रेन के क्रीमिया को वापस लेने या यूक्रेन के नाटो में शामिल होने की संभावना से भी इनकार किया। राष्ट्रपति ट्रंप की ये टिप्पणियां महत्वपूर्ण हैं क्योंकि जेलेंस्की व्हाइट हाउस में उनके साथ बैठक करने वाले हैं। उल्लेखनीय है कि हाल ही में ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच अलास्का शिखर सम्मेलन में यूक्रेन मामले पर बातचीत हुई है।

यूक्रेन में शांति की ज़िम्मेदारी जेलेंस्की पर डालते हुए, राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की चाहें तो युद्ध को तुरंत समाप्त कर सकते हैं या फिर लड़ाई जारी रख सकते हैं। याद कीजिए कि इसकी शुरूआत कैसे हुई थी। ट्रंप ने क्रीमिया को वापस लेने की संभावना से भी इनकार किया। क्रीमिया 2014 में एक जनमत संग्रह के बाद रूसी संघ में शामिल हुआ था, लेकिन पश्चिमी देश इसे स्वीकार नहीं करते। क्रीमिया के बारे में ट्रंप ने कहा कि 12 साल पहले पूर्व राष्ट्रपति ओबामा द्वारा दिया गया क्रीमिया वापस नहीं लिया जा सकता है। ट्रंप ने यूक्रेन के नाटो में शामिल होने की संभावना से भी इनकार किया जिसकी मांग यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की वर्षों से कर रहे हैं।

इससे पहले जेलेंस्की वार्ता में भाग लेने के लिए वाशिंगटन डीसी पहुंचे। उन्होंने आशा व्यक्त किया कि यूक्रेन यूरोपीय सहयोगियों के समर्थन से अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा गारंटी हासिल कर सकता है। उन्होंने एक्स पर लिखा, मैं पहले ही वाशिंगटन पहुंच चुका हूं। कल मैं राष्ट्रपति ट्रंप से मिलूंगा और यूरोपीय नेताओं के साथ भी बातचीत करूंगा। मैं इस निमंत्रण के लिए राष्ट्रपति ट्रंप का आभारी हूं। जेलेंस्की ओवल ऑफिस में ट्रंप के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे जिसके बाद ट्रंप और प्रमुख यूरोपीय नेताओं के बीच एक व्यापक बैठक होगी।

जेलेंस्की ने आगे कहा, हम सभी इस युद्ध को शीघ्र, स्थाई और विश्वसनीय तरीके से समाप्त करने की तीव्र इच्छा रखते हैं। शांति स्थाई होनी चाहिए। जेलेंस्की ने सुझाव दिया कि नई सुरक्षा गारंटियां उन गारंटियों से ज्यादा मजबूत होनी चाहिए जो अतीत में काम नहीं आई। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी अपनी जमीन, अपनी आजादी के लिए लड़ रहे हैं और आशा वयक्त किया कि अमेरिका और यूरोप का शक्ति प्रदर्शन रूस को वास्तविक शांति के लिए मजबूर करेगा।

दिल्ली- एनसीआर के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

एजेसी

नई दिल्लीः राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सोमवार को कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियां मिलने के बाद दहशत फैल गई। पुलिस ने स्कूलों को तुरंत खाली कराया और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी। ये धमकियां स्कूलों को ईमेल से भेजीं गईं थीं। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस और स्पेशल सेल ने जांच शुरू कर दी पर शुरूआती तलाशी में उन्हें कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस टीमें अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि ईमेल कहां से आया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि हम इस मामले को बहुत गंभीरता से ले रहे हैं। ये धमकियां डीपीएस द्वारका, मॉडर्न कॉन्वेंट स्कूल (सेक्टर 4, द्वारका) और श्रीराम वर्ल्ड स्कूल (सेक्टर 10, द्वारका) सहित कई स्कूलों को भेजी गईं। स्कूल प्रशासन ने एहतियात के तौर पर अभिभावकों को बच्चों को वापस बुलाने के लिए के लिए संदेश भेजे और उन्हें स्कूल की तरफ से सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने का आश्वासन दिया।

बीजापुर में बड़ा आईईडी ब्लास्ट, एक जवान शहीद,तीन घायल

सुरक्षाबलों ने इलाके को घेरा

एजेंसी

बीजापुर : छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सोमवार सुबह बड़ा नक्सली हमला हुआ। इंद्रावती नेशनल पार्क के पास हुए आईडी ब्लास्ट में जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) का एक जवान शहीद हो गया, जबकि तीन अन्य जवान घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, डीआरजी और राज्य पुलिस की संयुक्त टीम नक्सलियों के खिलाफ अभियान पर निकली थी। इसी दौरान नक्सलियों ने रास्ते में लगाए गए इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) को विस्फोटित कर दिया। ब्लास्ट में शहीद हुए जवान की पहचान दिनेश नाग के रूप में हुई है। घायल जवानों को प्राथमिक उपचार के बाद जंगल से बाहर लाया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया गया है और नक्सलियों की तलाश की जा रही

ओडिशा के छह जिलों में मिला 20 टन खजाना, नीलामी की तैयारी शुरू

एजेंसी

भुवनेश्वर : खनिज संपदा के लिए प्रसिद्ध ओडिशा अब देश के स्वर्ण मानचित्र पर एक नई पहचान बनाने जा रहा है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) ने राज्य के छह जिलों में लगभग 10 से 20 टन सोने के विशाल भंडार की पुष्टि की है। इस महत्वपूर्ण खोज के बाद राज्य सरकार ने खदानों की नीलामी की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी कर ली है, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था और स्थानीय रोजगार को भारी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

जीएसआई द्वारा लंबे सर्वेक्षण और परीक्षण के बाद देवगढ़ के अड़स-रामपल्ली, सुंदरगढ़, नवरंगपुर, केंदुझर, अनुगुल और कोरापुट जिलों की भूमि के नीचे सोने की मौजूदगी का पता चला है। राज्य के खनन मंत्री विभूति भूषण जेना ने भी इन जिलों में सोना पाए जाने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि इन क्षेत्रों में सोने की सांद्रता खनन के लिए आर्थिक रूप से व्यवहार्य है।

इस बड़ी खोज के बाद राज्य सरकार पूरी तरह से हरकत में आ गई है। देवगढ़ में स्थित खदान की नीलामी के लिए ओडिशा माइनिंग कॉर्पोरेशन (ओएमसी) और जीएसआई ने मिलकर प्रारंभिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके अलावा, मयूरभंज, मलकानगिरी, संबलपुर और बौद्ध जैसे अन्य जिलों में भी सोने की खोज का काम जारी है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि खनन सफल रहा तो यह ओडिशा के लिए एक गेम-चेंजर साबित होगा। इससे न केवल राज्य के राजस्व में भारी वृद्धि होगी, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अनगिनत अवसर भी पैदा होंगे। साथ ही, खनन से जुड़े सहायक उद्योगों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि खनन कार्य पूरी तरह से पर्यावरणीय मानकों के तहत किया जाएगा और प्रभावित स्थानीय लोगों के पुनर्वास व विकास का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

यह खोज राष्ट्रीय स्तर पर भी बहुत महत्वपूर्ण है। भारत वर्तमान में अपनी सोने की जरूरत का एक बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करता है। हर साल लगभग 700 से 800 टन सोने का आयात किया जाता है, जबकि घरेलू उत्पादन मात्र 1.6 टन है। ओडिशा की इन खदानों से उत्पादन शुरू होने पर सोने के आयात पर देश की निर्भरता काफी हद तक कम हो सकती है, जिससे भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा की बचत होगी और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

'वोट चोरी का नया हथियार' है एसआईआर : राहुल गांधी

एजेंसी

पटनाः बिहार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े मुद्दों पर चर्चा और राहुल गांधी के आरोपों का जवाब देने के लिए चुनाव आयोग ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। एसआईआर पर उठे सभी सवालों का जवाब दिया। लेकिन इसके बाद भी राहुल गांधी लगातार एसआईआर के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को वोट चोरी का नया हथियार करार दिया और कहा कि वह एक व्यक्ति, एक वोट के अधिकार की रक्षा के लिए खड़े हैं। राहुल गांधी ने अपनी वोटर अधिकार यात्रा के दूसरे दिन यह भी कहा कि लोकतंत्र में सबकी भागीदारी को किसी भी हाल में खत्म नहीं होने दिया जाएगा। राहुल गांधी ने दूसरे दिन की यात्रा औरंगाबाद के कुटुंबा से शुरू की और आज की यात्रा का समापन गया में होगा। कुटुंबा बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष

राजेश कुमार का विधानसभा क्षेत्र है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष के साथ इस यात्रा में राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव, विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी और महागठबंधन के कई अन्य नेता शामिल हैं। यात्रा के दौरान राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने औरंगाबाद स्थित प्रसिद्ध देव सूर्य मंदिर में दर्शन किए। राहुल गांधी ने ऐसे कई लोगों से मुलाकात की एक तस्वीर अपने व्हाट्सएप चैनल पर साझा की जिनके नाम एसआईआर के दौरान मतदाता सूची से काट दिए गए, जबकि उन्होंने लोकसभा चुनाव में वोट डाला था। कांग्रेस नेता ने कहा, एसआईसीआर वोट चोरी का एक नया हथियार है। इत्तेफाक से इस तस्वीर में मेरे साथ खड़े ये लोग इस चोरी के जीते-जागते सबूत हैं।

उन्होंने कहा कि इन सभी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में वोट डाला था, मगर बिहार विधानसभा चुनाव आते आते भारत के लोकतंत्र से इनकी पहचान, इनका वजूद मिटा दिया गया। कांग्रेस नेता ने किसान एवं सेवानिवृत्त फौजी राज मोहन सिंह (70) , दलित महिला उमरावती देवी (35) , पिछड़ा वर्ग से ताल्लुक रखने वाले धनजेय कुमार बिंद (30) , मनरेगा में मजदूर रहीं सीता देवी (45), महिला एवं पूर्व मनरेगा मजदूर राजू देवी (55) और मुस्लिम समुदाय से ताल्लुक रखने वाले मजदूर मोहमुद्दीन अंसारी (52) से मुलाकात की। उनके मुताबिक, इनके नाम मतदाता सूची में नहीं हैं, जबकि लोकसभा चुनाव में इन्होंने मतदान किया था। गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत इन्हें बहुजन और गरीब होने की सजा दे रही है।

न्यूज IN ब्रीफ

अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद

सिल्ली: मुरी ओपी पुलिस ने ओपी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बांसारुली नीचे टोला स्थित रेलवे लाइन किनारे बेसवेल बरसाती तालाब में पेट के बल पानी पर बहता हुआ, एक 45 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया है। शव के शरीर में कीड़ा लगा हुआ था अंदेशा जताया जा रहा है कि शव लगभग बीते एक माह से अधिक दिन का होगा। शव के सिर बाल नहीं है। गंजी एवं ब्लू रंग का हाफ पैंट पहने हुए है, साथ ही शरीर में जनेऊ धारण किया हुआ है और हाथ में धातु का काला रंग का कड़ा पहना हुआ है। ज्ञात हो कि इस क्षेत्र आसपास में आये दिन इस तरह के अज्ञात शव पाये जाते है जिनकी पहचान नहीं हो पाती है। आसपास के लोग दबे जुबान पर चर्चा करते है कि हत्या करने के बाद हत्यारे इधर सुनसान जगह पाकर फेंक कर चले जाते है।

पुलिस ने नकली पेट्रोल बेचने वाले तीन लोगों को किया गिरफ्तार

चतरा: हंटरगंज पुलिस ने नकली पेट्रोल के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की है। नकली पेट्रोल बेचने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।साथ ही 20 गैलन में भरा 800 लीटर नकली पेट्रोल लदे मैजिक वाहन (जेएच 19 डी 1613) को जब्त किया है।गिरफ्तार लोगों में वाहन चालक हंटरगंज थाना क्षेत्र के हीरिंग गांव निवासी शैलेंद्र कुमार सिंह, बिहार के गया जिले के शेरघाटी के शत्रुघ्न प्रसाद उर्फ कारू व बाराचट्टी थाना क्षेत्र के भलुआ के सुनील कुमार केसरी शामिल हैं। पकड़े गये लोग पेट्रोल पंप से 10 से 15 रुपए प्रति लीटर कम पर बेचते थे।इस संबंध में थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने कहा कि गुप्त सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र में नकली पेट्रोल बेचा जा रहा है। सूचना के आलोक में छापामारी अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान पांडेयपूरा पेट्रोल पंप मालिक ने नकली पेट्रोल बेचने वालों को पकड़ा और इसकी सूचना दिया।सूचना के आलोक में वहां पहुंच कर नकली पेट्रोल बेचने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया।साथ ही नकली पेट्रोल लदे मैजिक वाहन को जब्त कर थाना लाया गया। इस संबंध में हंटरगंज थाना कांड संख्या 134/25 के तहत मामला दर्ज कर तीनों को जेल भेज दिया गया।थाना प्रभारी ने कहा कि आगे भी इस तरह के अवैध कारोबार पर कारवाई जारी रहेगी।छापामारी टीम में थाना प्रभारी के अलावा पुलिस अवर निरीक्षक भोला साह, एएसआई शिव शंकर गोप सहित कई जवान शामिल थे।

मास्टरमाइंड फरारः हंटरगंज में नकली शराब बेचने के मास्टरमाइंड हंटरगंज थाना क्षेत्र के पानी टंकी निवासी संदीप गुप्ता सहित कई लोग फरार हैं।जिसकी गिरफ्तारी को लेकर पुलिस छापामारी अभियान चला रही है। जानकारी के अनुसार बिहार के रजौली में सॉल्वेंट थिनर, मिनरल ऑयल के साथ पेट्रोल जैसे रंग का उपयोग कर नकली पेट्रोल बनाया जाता है, इसके बाद बाराचट्टी आता है। गिरफ्तार लोग बाराचट्टी से लाकर नकली पेट्रोल बेचते थे। नकली पेट्रोल से वाहनों के इंजन खराब हो रहा है,वहीं सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है।

रांची में राज्यस्तरीय नेहरू कप हॉकी प्रतियोगिता शुरू, 49 टीमें दिखाएंगी दम

रांचीः स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची के तत्वावधान में राज्य स्तरीय जवाहर लाल नेहरू हॉकी प्रतियोगिता 2025-26 की शुरूआत राजधानी रांची में हो गई है। यह प्रतियोगिता 18 अगस्त से 20 अगस्त 2025 तक आयोजित की जा रही है। हॉकी के मुकाबले राजधानी रांची के मारांग गोमके जयपाल सिंह हॉकी स्टेडियम मोराबादी और मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालिका उच्च विद्यालय बरियातू मैदान में खेले जा रहे हैं।

तीन वर्गों में प्रतिस्पर्धाः इस बार राज्य स्तरीय नेहरू कप हॉकी प्रतियोगिता में कुल 49 टीमें हिस्सा ले रही हैं। प्रतियोगिता के लिए विभिन्न जिलों से चयनित खिलाड़ी रांची पहुंचे हैं और मैचों में अपना कौशल दिखा रहे हैं। प्रतियोगिता तीन वर्गों में आयोजित हो रही है।

अंडर-15 बालक वर्ग : 15 टीमें
अंडर-17 बालक वर्ग : 18 टीमें
अंडर-17 बालिका वर्ग : 18 टीमें

राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचेगा सफरः इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमें राष्ट्रीय स्तर की जवाहरलाल नेहरू कप हॉकी प्रतियोगिता में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगी। आयोजन समिति के अनुसार, राज्यस्तर पर चयनित टीमों को आगे राष्ट्रीय पटल पर अपने खेल का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा। यह खिलाड़ियों के लिए बड़े मंच तक पहुंचने की सुनहरी राह है।

खिलाड़ियों का दिखा गजब का उत्साहः टूर्नामेंट के पहले दिन से ही मैदान में रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। खिलाड़ियों ने अपनी निपुणता, तेजी और टीम वर्क का बेहतरीन उदाहरण पेश किया। हॉकी प्रतियोगिता को लेकर दर्शकों, छात्र-छात्राओं और खेल प्रेमियों में खासा उत्साह नजर आ रहा है।

जेल में कैदी ने किया आत्महत्या का प्रयास, प्रेमिका को ठहराया जिम्मेदार

धनबादः धनबाद मंडल कारा में आज सोमवार को एक कैदी ने आत्महत्या का प्रयास किया। घटना की जानकारी मिलते ही उसे धनबाद के शहीद निर्मल महतो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल के आईसीयू वार्ड में उसका इलाज चल रहा है। कैदी की पहचान जितेंद्र रवानी के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार के लोग भी अस्पताल पहुंचे हैं। घटना के बाद से धनबाद मंडल कारा में हडकंप मच गया है।

सिकंदर बेदिया बने सिकिदिरी दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष

अनगड़ा : दुर्गा पूजा और रावण दहन को लेकर स्वर्णरिखा जल विद्युत परियोजना सिकिदिरी दुर्गा पूजा समिति की बैठक रविवार को स्वर्णरेखा नाथ महादेव मंदिर प्रांगण में हुई। बैठक में सर्वसम्मति से सिकंदर बेदिया को अध्यक्ष, उत्तम कुमार दास सचिव और संजय कुमार सिंह गुड्डु को कोषाध्यक्ष चुना गया। वहीं प्रदीप कुमार साहू, गोविंद बहादुर राणा और अजगूत करमाली उपाध्यक्ष, उदय प्रसाद चौरसिया और हरिओम को सह सचिव, संजीव कुमार गोस्वामी पूजा प्रभारी, बलराम साहू पंडाल प्रभारी, गोविंदा कुमार रावण दहन प्रभारी, परियोजना प्रबंधक विनय अंगिरा मुख्य संरक्षक, संजय कुमार सिंह, सिकिदिरी थाना प्रभारी सचिन कुमार मिश्र, निर्मल करमाली, रमण कुमार बिट्टू और हरि लोहरा को संरक्षक बनाया गया है।

छत्तीसगढ़ में दो धर्म बहनों की गिरफ्तारी के विरोध में रांची में निकाला गया शांतिपूर्ण मौन जुलूस

संवाददाता

रांची : ऑल चर्चेस कमेटी रांची के द्वारा छत्तीसगढ़ में दो धर्म बहनों के साथ घटित घटना के विरोध में शांतिपूर्ण मौन जुलूस निकाला गया। इस जुलूस में राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की भी शामिल हुई।

शिल्पी नेहा तिर्की ने इस घटना पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि ईसाई धर्मावलंबी हमेशा से ही गांव - घर में अपनी सेवा देते आए है। इनका सामाजिक कल्याण में विश्वास, इनके सेवा भाव को दशार्ता है। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में बीते दिनों जिस तरह से दो धर्म बहनों को सुनियोजित साजिश के तहत गिरफ्तार कर जेल भेजा गया, जिस तरह उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ति किया गया, वो कही से क्षम्य नहीं है।

तिर्की ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पुलिस इस पूरे मामले में मूक दर्शक की भूमिका में रही। इस घटना की जांच में दोनों ही धर्म बहनें निर्दोष पाई गई। उन्हें रिहा भी कर दिया गया है। ईसाई समुदाय के लिए सेवा ही उनका धर्म है। इस तरह से ईसाई समुदाय को टारगेट करना कहीं से भी जायज नहीं है। दक्षिणपंथी ताकतों की नियत हमेशा से ईसाई धर्मावलंबियों को परेशान करना रहा है। ये संवैधानिक अधिकारों का भी उल्लंघन है। मैं इसकी घोर निंदा करती हूं। इसके साथ ही ऑल चर्चेस कमिटी रांची की मांग का समर्थन करती हूं।

खिलाड़ियों की टीम रवाना

संवाददाता

चतराः तीन दिवसीय राज्य स्तरीय जवाहरलाल नेहरू हॉकी प्रतियोगिता में चतरा जिला से प्रतिनिधित्व कर रहे हैं उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय लेपो के अंडर 15 बालक वर्ग एवं अंडर 17 बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ियों को हुरनाली पंचायत के मुखिया पुरन राम ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने बच्चों को आशीर्वचन देते हुए कहा कि बहुत खुशी की बात है कि लेपो विद्यालय के तीनों वर्ग के बच्चों ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता में परचम लहराया और अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए जा रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि आप लोग राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी जीत कर अपने विद्यालय एवं चतरा जिला का नाम रोशन करेंगे।वहीं विद्यालय के प्रधानाध्यापक जितेंद्र प्रसाद ने खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में जीत की अग्रिम बधाई दी।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा ले रही खिलाड़ियों की टीम में मैनेजर और सहयोगियों के रूप में शारीरिक शिक्षक अबोध राम, राघवेंद्र चौधरी, मेनका कुमारी, पार्वती कुमारी राज किशोर महतो एवं महादेव महतो भी शामिल हैं ।

वज्रपात की चपेट में आने से मछली मारने गए एक युवक की मौत

संवाददाता

चतरा : हंटरगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत पांडेपुरा के प्राथमिक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के समीप एक आहर तालाब में रविवार शाम चार बजे हुए वज्रपात की चपेट में आने से बंशी से मछली मार रहे एक युवक की मौत हो गई। युवक की पहचान पांडेपुरा के स्टाईली नगर निवासी रामुतार भारती के 22 वर्षीय पुत्र राजू भारती के रूप में हुई है।मौके पर पहुंचे समाजसेवी जयनारायण भारती ने हंटरगंज थाना पुलिस को दूरभाष के माध्यम से सूचना दी। सूचना मिलते ही हंटरगंज थाना के एएसआई अजय कुमार महतो और पांडेपुरा पिकेट प्रभारी शिव शंकर गोप दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और घटना के संबंधित लोगों से जानकारी ली। वही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सदर अस्पताल चतरा

पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार युवक तालाब में बंशी के माध्यम से मछली मार रहा था। तभी हल्की बारिश के साथ अचानक वज्रपात हो गया। वज्रपात की चपेट में आने से युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। इधर आस पड़ोस के लोगों ने तुरंत इसकी सूचना परिजनों को दी। बताया जा रहा है कि मृतक युवक की एक वर्ष पूर्व शादी हुई थी । जिस वक्त बज्रपात हुई मृतक युवक के घर के सभी सदस्य जंगल गए हुए थे। विवाहित राजू की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। परिजनों के चीख चीत्कार से माहौल गमगीन है। ग्रामीणों ने आपदा राहत के तहत जिला प्रशासन से मुआवजे की मांग की है।

प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन

संवाददाता

चतराः स्थानीय इंदुमती टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर उच्च विद्यालय दीभा,चतरा में रविवार को संकुल स्तरीय प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता विद्या भारती के तत्वावधान में आयोजित की गई। जिसमें कुल 150 बच्चों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य रमेश कुमार सिंह, हफुआ के प्रधानाचार्य अभय कुमार सिंह, पत्थलगड्डा के प्रधानाचार्य अक्षयवट दयाल शर्मा एवं प्रभारी अयोध्या प्रसाद सिंह ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। तत्पश्चात सामूहिक रूप से सरस्वती वंदना की गई। प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से बच्चों में प्रतियोगिता की भावना जागृत होती है। स्थानीय विद्यालय में प्रश्न मंच प्रतियोगिता शिशु, बाल तथा किशोर वर्ग में कुल 6

विषयों पर हुई। जिसमें स्थानीय इंदुमती टिबड़ेवाल,जोरी सरस्वती विद्या मंदिर,सरस्वती शिशु विद्या मंदिर हफुआ ,पत्थलगड्डा विद्या मंदिर से कई छात्र- छात्राओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में कार्यक्रम प्रमुख विषय से संबंधित आचार्य के अलावा संकुल के अन्य आचार्य एवं स्थानीय प्रधानाचार्य की देखरेख में हुआ।प्रतियोगिता में विज्ञान ,संस्कृत,संस्कृति बोध परियोजना, अंग्रेजी , संगणक व वैदिक गणित जैसे विषयों शिशु, बाल एवं किशोर वर्ग में चतरा ओवरऑल प्रथम व हफुआ द्वितीय स्थान पर रहा। प्रश्नमंच प्रतियोगिता में प्रतियोगिता में बेहतर करने वाले छात्र-छात्राओं को संकुल आचार्यों द्वारा परितोषक देकर सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागी बच्चें आगामी 23 अगस्त को विभाग स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होंगे जो जपला सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित है।

अधेड़ पर दिन दहाड़े जानलेवा हमला

संवाददाता

चतराः जिले के पत्थलगड़ा प्रखंड क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई जब सिंघानी (परेवा) निवासी मोहम्मद मोखतार (57 वर्ष), पिता स्वर्गीय सुभानी मियां पर दिनदहाड़े जानलेवा हमला कर दिया गया। यह घटना मंगलवार की सुबह करीब 11 बजे पटना होटल के समीप घटी।मोहम्मद मोखतार ने थाना प्रभारी को दिए आवेदन में बताया कि वे सिंघानी से काम निपटा कर परेवा स्थित अपने नए घर लौट रहे थे। तभी पहले से घात लगाए 8झ10 लोग एक बोलेरो और एक मोटरसाइकिल से आए और उन्हें घेर लिया। उन्हीं में शामिल मोहम्मद असलम (उम्र करीब 52 वर्ष, पिता सिद्दीक मियां, ग्राम इसलामपुर थाना राजपुर, जिला चतरा) ने धारदार भुजाली की मुट्ठी से उनके माथे पर वार कर दिया। हमले से उनका माथा फट

गया और खून बहने लगा। वे गिर पड़े तो मौके पर मौजूद अन्य लोग झ महजबीन परवीन (पुत्री मो असलम, उम्र 30 वर्ष), मो नईम (पुत्र सुलेमान मियां, उम्र 35 वर्ष), नईम की पत्नी (नाम अज्ञात), सुलेमान मियां (उम्र 55 वर्ष, ग्राम बारिकेला, थाना कटकमसांडी, जिला हजारीबाग) तथा मो सिकंदर (उम्र 52 वर्ष, ग्राम बारिकेला) झ उन पर चढ़कर छाती, पेट और कमर पर मारने लगे। मोखतार बेहोश हो गए तो सभी हमलावर वहां से फरार हो गए। ग्रामीणों की मदद से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पत्थलगड़ा पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज किया गया।

परिजनों ने जताई नाराजगी और डर : इस घटना के बाद मोखतार के परिजनों ने रविवार को पत्रकारों के समक्ष कहा कि यह हमला पहले की घटनाओं की कड़ी है। उनकी पत्नी समसुल खातून ने बताया कि झ ह्हमारे परिवार पर पहले भी कई बार हमला हो चुका है। डर के कारण हमने मामले दर्ज भी करवाए, लेकिन फिर भी दुबारा घटना घट गई। हमारे बेटे और उनके दामाद मो जावेद पर भी 3 वर्ष पूर्व में ही हमला कर उन लोगों ने उसका हाथ तोड़ दिया था। इसके बाद भी हमें बार-बार धमकी दी जाती रही है कि जल्द ही ऊपर का रास्ता दिखा देंगे। उन्होंने कहा कि वे और उनका परिवार लगातार भय के माहौल में जी रहे हैं और पुलिस प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग करते हैं।

थाना प्रभारी का बयानः पत्रकारों ने इस मामले पर रविवार को जब पत्थलगड़ा थाना प्रभारी राकेश कुमार से बात की, तो उन्होंने कहा घटना गंभीर है। मामले की गहन जांच-पड़ताल जारी है। दोषी पाए जाने वालों पर कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

डॉक्टर की लापरवाही से गयी बच्चे की जान

पलामू : जिले में एक बिच्छू ने छह वर्षीय बच्चे को काट लिया। परिजनों का आरोप है कि इलाज के दौरान इलाज में लापरवाही और बार-बार इंजेक्शन देने की वजह से बच्चे की मौत हो गई।

मामला जिले के हुसैनाबाद प्रखंड अंतर्गत पचंबा गांव का है। मृतक बच्चे का नाम सचिन है। बताया जा रहा है कि बिच्छू के डंक मारने के बाद सचिन को आनन-फानन में परिजन जपला हैदरनगर रोड स्थित खुशबू क्लिनिक डॉक्टर पंकज कुमार के पास लेकर गए। परिजनों का कहना है कि डॉक्टर ने सचिन की स्थिति देखने के बाद उसे तीन इंजेक्शन लगाये, लेकिन इंजेक्शन लगने के बाद बच्चे को और तेज बुखार आ गया। काफी देर तक उसका बुखार नहीं उतरा और फिर शरीर अचानक ठंडा पड़ गया। जब काफी देर तक बच्चे ने कोई हलचल नहीं की तो परिजनों ने डॉक्टर से बच्चे को बाहर लाने को कहा, लेकिन डॉक्टर दबंगई दिखाते हुए पैसा की मांग करने लगा। परिजनों ने आगे बताया कि डॉक्टर धमकी देने लगा और कहने लगा कि पैसे नहीं दिए तो बाहर नहीं जाने दिया जायेगा। इसके बाद डॉक्टर ने परिजनों को भी 3 घंटे तक क्लिनिक के अंदर बंधक बनाकर रखा। अंत में जब एक व्यक्ति द्वारा ऑनलाइन डॉक्टर को पैसे भेजे गए, तब जाकर डॉक्टर ने सभी को छोड़ा जिसके बाद परिजन क्लिनिक से निकलते ही बेहतर इलाज के लिए उसे मेदिनीनगर सदर अस्पताल पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, आरोपी कथित चिकित्सक पंकज कुमार क्लिनिक से फरार हो गया। परिजनों ने हुसैनाबाद थाने में उसके खिलाफ लिखित शिकायत दी है।

भुइयां समाज कल्याण समिति ने मनायी दशरथ मांझी की पुण्यतिथि

संवाददाता

चतरा : चतरा कॉलेज चतरा के समीप हैलीपेड मैदान में अखिल भारतीय भुइयां समाज कल्याण समिति के तत्वावधान में रविवार को पर्वत पुरुष दशरथ मांझी की 18वीं पुण्यतिथि मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष उमेश भारती व संचालन महासचिव जयराम भारती ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बंगाल के प्रदेश अध्यक्ष सिंटू भुइयां उपस्थित थे। कार्यक्रम का प्रारंभ दशरथ मांझी के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सिंटू भुइयां ने कहा कि पर्वत पुरुष दशरथ मांझी एक व्यक्ति नहीं, विचार थे। बाबा दशरथ मांझी जनविरोधी शक्तियों के खिलाफ लड़ने की प्रेरणा देते है। कहा कि समाज को गुलाम बनाकर रखने की साजिश रची जा रही है। समाज को इसके विरुद्ध लड़ने की आवश्यकता है। बाबा मांझी यह प्रेरणा देते है कि किसी तरह का अत्याचार नही सहना है। उन्होंने कहा कि दशरथ मांझी के साहसिक एवं ऐतिहासिक कार्य को लोग हमेशा याद रखेंगे। दशरथ मांझी बिहार के गया जिले के गहलौर गांव के रहने वाले थे। 1959 में उनकी पत्नी फाल्गुनी देवी की पहाड़ पार करते समय चोट लगने से मौत हो गई थी। पत्नी की मौत से दुखी होकर, दशरथ मांझी ने पहाड़ को काटकर रास्ता बनाने का फैसला किया। उन्होंने 22 साल चार महीना तक अकेले ही हथौड़े और छेनी से पहाड़ को काट कर रास्ता बना दिया।

रिम्स-2 के निर्माण को लेकर नगड़ी में सियासी संग्राम

अस्पताल जरूरी, लेकिन जमीन अधिग्रहण अन्याय : चंपाई सोरेन

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची के नगड़ी इलाके में प्रस्तावित रिम्स-2 अस्पताल के निर्माण को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। सोमवार को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन नगड़ी पहुंचे और वहां ग्रामीणों की खेतिहर जमीन का निरीक्षण किया। उनका यह दौरा नगड़ी जमीन बचाओ संघर्ष समिति के आमंत्रण पर हुआ। जहां बड़ी संख्या में ग्रामीण, समाज के बुद्धिजीवी और समिति के सदस्य मौजूद थे।

ग्रामीणों ने सुनाई आपबीती

निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने पूर्व मुख्यमंत्री को बताया कि सरकार खेतिहर जमीन अधिग्रहित कर रही है, जिससे उनकी पीढ़ियों की जीविका संकट में पड़ जाएगी। ग्रामीणों का कहना है कि यदि यह जमीन ले ली गई, तो उनके पास खेती-बाड़ी का कोई साधन नहीं बचेगा और वे बेरोजगार होकर पलायन को मजबूर होंगे।

अस्पताल जरूरी, लेकिन जमीन अधिग्रहण अन्याय

ग्रामीणों की पीड़ा सुनने के बाद चंपाई सोरेन ने सरकार पर सीधा सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा कि हम अस्पताल के खिलाफ नहीं हैं। अस्पताल जनता की जरूरत है, लेकिन गरीब आदिवासियों की उपजाऊ जमीन छीनकर विकास करना अन्याय है। सरकार के पास लैंड बैंक में हजारों एकड़ बंजर जमीन है, स्मार्ट सिटी परियोजना में सैकड़ों एकड़ खाली जमीन पड़ी है। तो आखिर उपजाऊ खेतिहर जमीन पर ही क्यों नजर डाली जा रही है?

उन्होंने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि यदि सरकार ने आदिवासियों की जमीन जबरन लेने की कोशिश की, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। साथ ही ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि वे इस लड़ाई में उनके साथ खड़े हैं और हर स्तर पर उनकी आवाज उठाएंगे।

संघर्ष समिति ने दिया वैकल्पिक जमीन का सुझाव

संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने भी साफ कहा कि वे विकास के विरोधी नहीं हैं। उनका कहना है कि सरकार को ऐसी जमीन का चयन करना चाहिए जिससे लोगों की आजीविका प्रभावित न हो। समिति का सुझाव है कि यदि अस्पताल का निर्माण अत्यंत आवश्यक है, तो इसके लिए वैकल्पिक जमीन का उपयोग किया जाए।

नगड़ी की जमीन फिर बनी संवेदनशील मुद्दा

नगड़ी की जमीन लंबे समय से विवाद और संघर्ष का केंद्र रही है। पहले भी यहां विभिन्न परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण पर कई बार आंदोलन भड़क चुके हैं। अब रिम्स-2 परियोजना के बहाने यह विवाद फिर से सियासी रंग लेने लगा है।

सीपी राधाकृष्णन राजग के उप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार घोषित, बाबूलाल ने दी बधाई

संवाददाता

रांची: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की झारखंड इकाई के नेताओं ने बीते रविवार को पूर्व राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का उम्मीदवार घोषित किए जाने पर शुभकामनाएं दीं।

राधाकृष्णन ने कहा कि राष्ट्र को उनके लंबे सार्वजनिक जीवन के अनुभव से लाभ होगा। झारखंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, झारखंड के पूर्व राज्यपाल एवं वर्तमान में महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को राजग की ओर से उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आपका व्यापक राजनीतिक अनुभव और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पण निश्चय ही संसदीय प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने में सहायक सिद्ध होगा।''

भाजपा नेता एवं झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने एक्स' पर पोस्ट में कहा, महाराष्ट्र के राज्यपाल एवं झारखंड के पूर्व राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार घोषित किए जाने पर हार्दिक अभिनंदन। उनके लंबे सार्वजानिक जीवन के अनुभव का लाभ देश को मिलेगा। उनकी सफलता की कामना करता हूं।

मुख्यमंत्री आज लौटेंगे रांची, रामदास सोरेन के परिजनों से कर सकते हैं मुलाकात

संवाददाता

रांची: पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का शनिवार को नेमरा गांव में संस्कार भोज हुआ। शिबू सोरेन के निधन के बाद से ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन नेमरा में रुके हुए थे। वह अपने दिवंगत पिता शिबू सोरेन के क्रिया-कर्म में जुटे हुए थे। सीएम हेमंत आज रांची लौट रहे हैं।

सीएम हेमंत आज पूरे 12 दिनों बाद रांची लौट रहे हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक रांची लौटने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन घोड़ाबांधा जमशेदपुर भी जा सकते हैं। वे शिक्षा मंत्री दिवंगत रामदास सोरेन के परिजनों मुलाकात कर सांत्वना देने घोड़ाबांधा जा सकते हैं।

मालूम हो 15 अगस्त की रात रामदास सोरेन का दिल्ली के अपोलो अस्पताल में निधन हो गया था। 16 अगस्त को उनका पार्थिव शरीर रांची लाया गया। विधानसभा परिसर में राज्यपाल समेत राज्य के तमाम मंत्री और विधायकों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद जमशेदपुर के घोड़ाबांधा में राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। इसी दिन शिबू सोरेन का नेमरा गांव में संस्कार भोज था जिस कारण हेमंत सोरेन रामदास सोरेन को श्रद्धांजलि नहीं दे पाए।

कावेरी रेस्टूरेंट में खाने में देरी की शिकायत पर ग्राहक के साथ मारपीट

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची के बड़े रेस्टूरेंट ग्रुप कावेरी के मैनेजर और रेस्टूरेंट कर्मी की गुंडागर्दी का मामला सामने आया है। लालपुर स्थित कावेरी रेस्टूरेंट में शनिवार रात खाना खाने आये ग्राहक की जमकर पिटाई की गई। महज खाने समय पर नहीं देने की शिकायत करने पर युवक को इतना पीटा गया कि वो खून से लथपथ हो गया।

युवक ने आरोप लगाया है कि रेस्टूरेंट के मैनेजर और सुरक्षाकर्मियों ने उसे लाठी से जमकर पीटा जिससे उसका सिर फट गया। युवक फोन पर अपने लिए न्याय की गुहार लगा रहा है जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। युवक फोन पर अपने पापा को कहता सुनाई दे रहा है कि वो लोग बड़ा आदमी है तो कुछ भी करेगा, पुलिस भी कुछ नहीं कर रही है।

क्षेत्र में मनसा पूजा की धूम, युवक-युवतियों ने जीभ बेध कर मन्नत की पूरी

मेट्रो रेज

सोनाहातू/ राहे: प्रखंड में दो दिवसीय माता मनसा की पूजा विधि विधान से रविवार को प्रारंभ हुई। माता मनसा के भक्त और श्रद्धालुओं ने राहे बड़ा तालाब से झापन का उठाव किया। इस दौरान युवक ओर युवतियो ने जीभ बेध कर तालाब से पूजा स्थल तक भक्तिमय होकर गये। मान्यता है कि मन्नत पूरी होने पर घर के सदस्य जीभ बेधन करते है। राहे-गोमदा के नीचे टोली में दो जगहों पर माता मनसा की प्रतिमा स्थापित किया गया। दो दिन झपान उठाव के बाद लोगों ने विधान के पूजन किया।

इधर सोनाहातू, सेरेंगहातू , तिलाईपिडी, सहित सभी गांव में माता मनसा देवी की प्रतिमा स्थापित कर पूजन किया गया। पोआदिरी गांव ठाकुरमनी देवी द्वारा भव्य रूप में तालाब से बारी उठाव किया। इसे देखने के लिया लोगों की कभी भीड़ रही। इस महिला साध्वी की सर के बाल जमीन में छूते है।

माले ने मनायी खुदीराम मुंडा की पुण्यतिथि

मेट्रो रेज

राहे: किसान आंदोलन के जननेता कामरेड खुदीराम मुंडा की 14वीं पुण्यतिथि पर रविवार को भाकपा माले पांच परगना कमिटि ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर संकल्प सभा किया। राहे चौक से गोमदा चौक स्मारक स्थल तक लोगों ने संकल्प मार्च किया। खुदीराम मुंडा की प्रतिमा पर मल्यार्पण और दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि के साथ संकल्प सभा की शुरूआत की गई। इस दौरान दिशुम गुरु शिबू सोरेन और रामदास सोरेन को श्रद्धांजलि दी गयी। संकल्प सभा को संबोधित करते हुए माले के जिला सचिव जगमोहन महतो ने कहा कि मोदी की भाजपा सरकार देश को गुलाम बनाने की ओर है। लाल किले के प्राचीर से आरएसएस का गुणगान करना आजादी के शहीदों का अपमान है। केंद्र सरकार का एसआईआर एक प्लान है वोट जीतने है। जिसे जनता पूरा होने नहीं देगी। कम्युनिष्ट मूल्यों पर अडिग होकर लड़ना खुदीराम मुंडा से सीखा है। वक्ताओं ने पेसा कानून, जंगल जमीन भाषा संस्कृति की रक्षा करते हुए रोजगार ,समृद्धि स्थानीय नीति आदि की मांग की। संकल्प सभा में संतोष मुंडा ने कहा कि आज स्थानीय नीति और नक्सली के नाम पर आदिवासियों पर जारी दमन के खिलाफ संघर्ष तेज करना होगा। संचालन दिलीप मांझी ओर दामोदर प्रजापति ने किया । मौके पर लखीमनी मुंडा, बसंती देवी, मुखिया गिरीबाला देवी, सुखदेव मुंडा, ठाकुरा मुंडा ,योगेश्वर मुंडा, राजेश्वर महतो, रामपति महतो, करम सिंह मुंडा, समिला मुंडा, डोमन सिंह मुंडा, अमलाकांत महतो, छोटेलाल महतो, पूर्ण चंद मुंडा ,राज किशोर लोहारा, राजू मुंडा, राजकुमार हरिजन व अन्य मौजूद थे। रामेश्वर मुंडा और वासुदेव यादव ने जनवादी गीत प्रस्तुत किया।

भू-धंसान में जमीनदोंज हुआ मकान, कड़ी मशक्कत के बाद लोगो ं ने बचाई आनी जान

संवाददाता

धनबाद: घर में बच्चे सो रहे थे, तभी अचानक जोरदार आवाज हुई और धीरे-धीरे घर धरती में समा गया। यह दिल दहला देने वाला वाक्या हुआ है धनबाद के जोगता थाना क्षेत्र में। जहां रात में हुए भू धंसान में एक पूरा घर जमींदोज हो गया। गनीमत रही कि तेज आवाज से घर में सो रहे लोग जाग गए और कड़ी मशक्कत के बाद अपनी जान बचा सके। घटना जोगता थाना क्षेत्र के हटिया के पास सात नंबर की है।

भू धंसान के कारण दूर तक धरती फट गई है। जिसमें बड़े-बड़े गड्ढे बन चुके हैं। एक घर पूरा का पूरा जमीन में समा गया। वहीं आसपास के भी कई घर प्रभावित हुए हैं। घटना के बाद लोगों में दहशत का माहौल है। लोगों में बीसीसीएल प्रबंधन के प्रति आक्रोश है। घटना सुबह करीब 3 बजे की है।

पीड़ित कल्याणी देवी ने बताया कि सुबह करीब 3 बजे तेज आवाज के साथ भू धंसान हुआ, जिसमें घर जमींदोज हो गया। किसी तरह हमने अपनी जान बचाई। हम लोग छप्पर छोड़कर बाहर निकल कर भागे हैं।

घर में रखा सारा सामान, चावल, दाल, कपड़े और अन्य सामान जमीन के अंदर समा गया है। अब हमारे पास खाने-पहनने के लिए भी कुछ नहीं है। हमने बीसीसीएल और प्रशासन से रहने के लिए घर और बच्चों के लिए खाने-पीने की सामग्री की मांग की है।

वहीं स्थानीय महिला राजो देवी ने पीड़ित परिवार के बारे में कहा कि उन्होंने ब्याज पर पैसे लेकर घर बनाया था, उन्हें घर मिलना चाहिए। घर के साथ-साथ सारा सामान भी जमीन में धंस गया है। घर के साथ-साथ पैसे भी दिए जाने चाहिए। वहीं स्थानीय इंद्रदेव भुइयां ने कहा कि इस घटना के लिए बीसीसीएल प्रबंधन और प्रशासन दोनों जिम्मेदार हैं। प्रशासन के पास जाने के बाद भी वे कोई कार्रवाई नहीं करते, चुप रहते हैं।

उधर, मौके पर जायजा लेने पहुंचे बीसीसीएल अधिकारी सवाल पूछे जाने पर भड़क गए। उन्होंने कहा कि हम बयान देने के लिए अधिकृत नहीं हैं।

[redacted]

हिंदी साहित्य भारती की बैठक

14 सितंबर को संगोष्ठी का होगा आयोजन

संवाददाता

रांचीः जिला हिंदी साहित्य भारती कार्यकारिणी सदस्यों की एक बैठक ईस्ट जेल रोड स्थित उड़ान आईएएस एकेडमी में हिंदी साहित्य भारती के जिलाध्यक्ष बलराम पाठक की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में 27 जुलाई को पुराना विधानसभा सभागार में आयोजित राज्यस्तरीय संगोष्ठी की समीक्षा की गई। एवं भावी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गयी। बैठक में निर्णय लिया गया कि 14 सितंबर राष्ट्रीय हिंदी दिवस के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। जिसमें कई कवि, साहित्यकार को भी आमंत्रित किया जाएगा। बैठक में हिंदी साहित्य भारती को सुदृढ़ एवं मजबूत बनाने हेतु बृहद स्तर पर सदस्यता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। बैठक में- उपाध्यक्ष संजय सर्राफ, कोषाध्यक्ष त्रिपुरेश्वर मिश्रा, ओमप्रकाश उपाध्याय, दीपेश निराला, नरेश बंका, अरुण अग्रवाल व अन्य उपस्थित थे।

शव की तलाश में जुटी एनडीआरएफ की टीम

रांची : नामकुम थाना क्षेत्र अंतर्गत करकट्टा गांव स्थित बंद खदान में नामकुम तेतरी टोली निवासी राजकुमार राय का 18 वर्षीय पुत्र समीर कुमार नहाने के दौरान डूब गया। वह अपने दो दोस्तों के साथ नहा रहा था। घटना रविवार देर शाम की है। आज एनडीआरएफ की टीम सुबह से ही शव की तलाश में जुटी है। समाचार लिखे जाने तक युवक का शव नहीं मिला है।

30 साल बाद दही-हांडी प्रतियोगिता का आयोजन, लोगों में दिखा उत्साह

राज्यपाल संतोष गंगवार ने विजेता प्रतिभागियों को किया सम्मानित

संवाददाता

रांची: 30 वर्षों के अंतराल के बाद राजधानी रांची के महात्मा गांधी मार्ग पर जन्माष्टमी के अवसर पर दही-हांडी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिससे पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखा गया। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में युवाओं और स्थानीय टीमों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। युवाओं ने मानव पिरामिड बनाकर ऊंचाई पर टांगी गई मटकी को फोड़ने का प्रयास किया। इस मौके पर चारों तरफ जयकारे गूंज उठे और दर्शक प्रतियोगिता का भरपूर आनंद लेते दिखे।

आयोजकों के अनुसार, दही-हांडी केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि सहयोग, धैर्य और टीम भावना का प्रतीक है। युवा वर्ग ने इसे पूरी ऊर्जा और जोश के साथ खेल भावना में अपनाया। खास बात यह रही कि बच्चों और महिलाओं की भागीदारी भी देखने को मिली, जिससे पूरे कार्यक्रम का उत्साह दोगुना हो गया।

कार्यक्रम में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार भी उपस्थित रहे। उन्होंने प्रतिभागियों और उपस्थित लोगों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण का जीवन मानवता को प्रेम, धर्म और न्याय का संदेश देता है। गीता का उपदेश यह बताता है कि कर्म ही धर्म है और सत्य के मार्ग पर चलने वाला कभी हारता नहीं है।

राज्यपाल ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि जिस तरह दही-हांडी प्रतियोगिता में ऊंचाई तक पहुंचने के लिए धैर्य, परिश्रम और सहयोग जरूरी है, उसी प्रकार जीवन में सफलता पाने के लिए भी अनुशासन, एकता और दृढ़ संकल्प आवश्यक हैं। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे बड़े लक्ष्य निर्धारित करें और कठोर परिश्रम से उन्हें हासिल करने का संकल्प लें।

उन्होंने कहा कि जीवन में चुनौतियां आना स्वाभाविक है, लेकिन सकारात्मक सोच और मजबूत इच्छाशक्ति से कोई भी बाधा बड़ी नहीं रहती। जन्माष्टमी जैसे पर्व हमें सत्य और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम के अंत में राज्यपाल ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

ऑफिस जाना अच्छा

अमेरिका स्थित एक माइंड रिसर्च ऑर्गनाइजेशन की ओर से हाल में करवाई गई एक ग्लोबल स्टडी की रिपोर्ट ने वर्क कल्चर और मेंटल हेल्थ के रिश्तों पर नए सिरे से रोशनी डाली है। रिपोर्ट ऐसे समय आई है जब भारत में वर्कलोड और ऑफिस के तनाव भरे माहौल पर बहस गर्म है। खासकर पिछले दिनों पुणे में हुई 26 साल की एक चार्टर्ड अकाउंटेंट की मौत ने इस बहस को तेज कर दिया है। कोविड-19 के प्रभावों से वर्क फ्रॉम होम मॉडल का चलन बढ़ा था। एंप्लॉयीज का एक वर्ग अभी भी इसी को पसंद करता है और कंपनियों को उन्हें ऑफिस बुलाने में मुश्किलों का भी सामना करना पड़ा। लेकिन रिपोर्ट में यह तथ्य स्थापित हुआ है कि अकेले काम करने के बजाय टीम में काम करना मेंटल हेल्थ के लिए बेहतर होता है। खासकर भारत में वर्क फ्रॉम होम के मुकाबले वर्क फ्रॉम ऑफिस मोड अपनाने वालों के मेंटल हेल्थ इंडिकेटर्स बेहतर पाए गए। हालांकि अमेरिका औ? यूरोप में हाइब्रिड मोड (यानी कुछ दिन घर से काम और कुछ ऑफिस से) को सबसे अच्छा पाया गया। वर्क लोड और ऑफिस के माहौल का जहां तक सवाल है तो रिपोर्ट बताती है कि मेंटल हेल्थ इंडिकेटर्स का रिश्तों से बड़ा गहरा नाता है। मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाए रखने वाला सबसे बड़ा फैक्टर है सहकर्मियों के साथ रिश्ता। सर्वे में यह बात सामने आई कि वर्कलोड औ? फ्लेक्सिबल टाइमिंग जैसे फैक्टर भी मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं, लेकिन सबसे ज्यादा मायने रखता है साथ काम कर रहे लोगों के साथ रिश्ता पॉजिटिव है या नहीं, अपने काम के साथ गर्व का भाव जुड़ा है या नहीं और वर्कप्लेस पर पूछ है या नहीं। यह रिपोर्ट मेंटल हेल्थ से जुड़ी बहस को वर्क-लाइफ बैलेंस के पारंपरिक दायरे से आगे ले जाती है। इस मुद्दे को पर्सनल लाइफ और प्रफेशनल लाइफ के दो अलग-अलग खांचों में देखने की परिपाटी से अलग यह इस मसले पर संपूर्णता में विचार करती है जिससे यह तथ्य रेखांकित होता है कि मानसिक सेहत का मसला लोगों के साथ हमारे रिश्तों से जुड़ा है जो घर के भी हो सकते हैं और वर्कप्लेस के भी। वर्कप्लेस के जिन तनावों की बात अक्सर की जाती है, वे भी काफी हद तक सहकर्मियों के आपसी रिश्तों से निर्धारित होते हैं। निश्चित रूप से वर्कप्लेस पर बढ़ते तनाव के मसले को एंप्लॉयी-एंप्लॉयर संबंधों से पूरी तरह काटकर नहीं देखा जा सकता। इसका एक सिरा काम के घंटों और एंप्लॉयी से एंप्लॉयर्स की अपेक्षाओं से भी जुड़ता ही है, लेकिन रिपोर्ट ने कई अन्य अहम पहलुओं की ओर ध्यान खींचा है जो अक्सर बहस में अनदेखे रह जाते हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि इससे वर्कप्लेस को बेहतर बनाने के प्रयासों में और मजबूती आएगी।

अपना भला चाहते हैं ट्रूडो, भारत पर फिर लगाया बेतुका आरोप

कनाडा की जस्टिन ट्रूडो सरकार के रवैये को देखते हुए यह साफ है कि वह दोनों देशों के रिश्तों को सुधारने या इन्हें दोबारा पटरी पर लाने के बिल्कुल मूड में नहीं है। जिस तरह से बिना कोई ठोस सबूत मुहैया कराए वह भारत पर लगाए अपने आरोपों का दायरा बढ़ाती जा रही है, उसे द्विपक्षीय रिश्तों की बेहतरी की किसी भी भावना से जोड़ना मुश्किल है। यह काफी हद तक साफ तभी हो गया था जब पिछले साल महज सूचनाओं के आधार पर जस्टिन ट्रूडो ने अपने देश की संसद में यह आरोप लगा दिया था कि वहां हुई एक खालिस्तान समर्थक नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ है। तब भी भारत ने यही कहा था कि उनके पास अगर कोई ठोस सबूत हैं तो मुहैया कराएं, मामले की जांच कराई जाएगी। लेकिन उधर से कोई सबूत नहीं दिए गए। हुआ यह कि पिछले दिनों खुद ट्रूडो को एक समिति के सामने कबूल करना पड़ा कि उनके पास कोई सबूत नहीं थे। दिलचस्प है कि इस सार्वजनिक शर्मिंदगी के बाद भी उनकी सरकार के रुख में कोई बदलाव नहीं आया। वह अभी तक कोई सबूत नहीं दे पा रही है, लेकिन अलग-अलग तरीकों से आरोपों का दायरा बढ़ाती जा रही। पहले कनाडा में भारत के उच्चायुक्त को ह्यपर्सन ऑफ इंटरेस्टह्न घोषित कर दिया और फिर अमेरिकी अखबार ह्यवॉशिंगटन पोस्टह्न में स्टोरी प्लांट करवाई कि इस हत्या के पीछे भारत के गृहमंत्री का हाथ है। ऐसे में स्वाभाविक ही सवाल उठता है कि आखिर कनाडा की जस्टिन ट्रूडो सरकार इस तरह की हरकतें क्यों कर रही है जो अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के तय मानकों में कहीं से फिट नहीं बैठतीं। घटनाओं और हालात के जरिए इसे समझने की कोशिश करें तो यह जाहिर हो जाता है कि वह घरेलू राजनीतिक दबावों और चुनावी फायदों से निर्देशित हो रही है। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के मानक और द्विपक्षीय रिश्तों की बेहतरी कम से कम फिलहाल उसकी प्राथमिकता में नहीं हैं। अफसोस की बात यह है कि इस स्थिति का प्रभाव न सिर्फ दोनों के रिश्तों पर बल्कि कनाडा में रह रहे या वहां पढ़ाई के लिए जाने की सोच रहे छात्रों और युवाओं पर पड़ रहा है। इन पहलुओं को देखते हुए ही इन हालात में भी भारत ने यह दोहराया है कि द्विपक्षीय रिश्तों के संदर्भ में आज भी उसकी मुख्य चिंता उन खालिस्तान समर्थक तत्वों की गतिविधियां ही हैं जिन्हें अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर बेलगाम छोड़ दिया गया है। देखना होगा कि कब कनाडा में अंदरूनी राजनीति के समीकरण बदलते हैं या कब वहां की सरकार अंतरराष्ट्रीय मामलों को घरेलू राजनीति के दबावों से अलग रखने का अनुशासन दिखा पाती है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी का देशविरोधी घोषणा पत्र

> महात्मा गांधी ने भी संघ के 1934 के वर्धा के शिविर का दौरा किया था। संघ के उस शिविर में छूआछूत और ऊंचनीच का भाव न देखकर गांधी जी बहुत प्रभावित हुए थे। उन दिनों गांधी जी छूआछूत के खिलाफ अभियान चला रहे थे। उन्होंने तब माना था कि संघ के ऐसे प्रयास भारतीय समाज में बराबरी का भाव लाने में सफल हुए। राजनीति अक्सर महात्मा गांधी को लेकर संघ पर आरोप लगाती है कि वह महात्मा गांधी को नहीं मानता। संघ को सामाजिक रूप से बांटने को लेकर जब भी हमला किया जाता है, अक्सर गांधी विचार का ही सहारा लिया जाता है।

उमेश चतुर्वेदी

मौजूदा दौर में शासन की सबसे बेहतरीन व्यवस्था जिस संसदीय लोकतंत्र को माना गया है, उसकी एक कमजोरी है। वोट बैंक की बुनियाद पर ही उसका समूचा दर्शन टिका है, इसलिए समाज को बांटना और उसके जरिए भरपूर समर्थन जुटाना उसकी मजबूरी है। यही वजह है कि कभी वह जानबूझकर, तो कभी अनजाने में समाज को बांटने की कोशिश करती नजर आती है। राजनीति के इन संदर्भों पर जब गौर करते हैं तो उसके ठीक उलट वैचारिकी से आगे बढ़ता हुआ एक संगठन दिखता है। निश्चित तौर पर वह संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ है। शतकीय यात्रा की ओर बढ़ रहा संघ हिंदू समाज को एक रखने के ध्येय वाक्य से रंच मात्र भी पीछे नहीं हटा।

लेकिन राजनीति को जब भी मौका मिलता है, वह संघ को अपने दायरे में खींचने और उसको सवालों के कठघरे में खड़ा करने की कोशिश करने लगती है। राजनीति को संघ को सवालों के घेरे में लाने का मौका हाल ही में मथुरा में दिए सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले के बयान से मिला है। दत्तात्रेय होसबोले ने हिंदू समाज को एक रखने के संदर्भ में योगी आदित्यनाथ के बयान ह्यकटोगे तो बंटोगेह्न का समर्थन किया है। योगी आदित्यनाथ ने पहली बार यह विचार अगस्त महीने में लखनऊ में कल्याण सिंह की याद में आयोजित एक कार्यक्रम में जाहिर किया था। उन दिनों बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार का तख्तापलट की घटना ताजा थी। उसके बाद वहां के अल्पसंख्यकों यानी हिंदुओं पर चौतरफा हमले और अत्याचार जारी थे। उसका हवाला देते हुए आदित्यनाथ ने हिंदू समाज को इस नारे के जरिए एक रहने का संदेश दिया था। चूंकि भारतीय राजनीति का एक बड़ा हिस्सा अब भी सेकुलरवाद के चश्मे से ही दुनिया को देखता है, लिहाजा उसके निशाने पर आदित्यनाथ का यह बयान आना ही था। आदित्यनाथ का यह बयान राजनीति की दुनिया के उनके विरोधियों को घोर सांप्रदायिक लगना ही था। और जब इस बयान का दत्तात्रेय होसबोले का भी साथ मिल गया तो सांप्रदायिकता के छद्म विचार के आवरण में राजनीति करने वाली ताकतों को मौका मिलना स्वाभाविक है।

संघ को संकुचित अर्थों में हिंदुत्व का समर्थक बताया जाता रहा है। ऐसा करते वक्त सावरकर के उस विचार को भुला दिया जाता है, जो यह बताता है कि भारत वर्ष में जो भी जन्मा है, वह हिंदू है। तीन देशों की सीमाओं में बंट चुके भारत में मौलिक रूप से कोई गैर हिंदू है ही नहीं। पाकिस्तान के पत्रकार वसीम अल्ताफ का ट्वीट दीपावली के दिन एक्स पर चर्चा में रहा। जिसमें उन्होंने लिखा था कि काश उनके भी पूर्वज कुछ और तनकर खड़े रहते तो उन्हें भी होली और दीपावली जैसे उत्साह वाले त्योहार मनाने को मिलते। अपने इस ट्वीट के जरिए एक तरह से वे जाहिर कर रहे थे कि उनके पूर्वज भी हिंदू ही थे। संघ इसी विचार को मानता है, भारतीय यानी हिंदू। भारतीय समाज को कभी सांप्रदायिकता के आवरण में बांटा गया तो कभी जाति की संकीर्ण सोच के बहाने। संघ अपने जन्म से ही दोनों ही वैचारिकी का विरोध करता रहा है। इसके बावजूद उस पर कभी ब्राह्मणवादी होने तो कभी कुछ का आरोप लगता रहा है। किसी भी संगठन के किसी भी व्यक्ति के निजी तौर पर अपने विचार हो सकते हैं, उसकी सोच का असर उसके व्यक्तित्व पर पड़ सकता है। लेकिन वैचारिक रूप से संघ में ऊंच-नीच, भेदभाव की सोच नहीं रही है।

महात्मा गांधी ने भी संघ के 1934 के वर्धा के शिविर का दौरा किया था। संघ के उस शिविर में छूआछूत और ऊंचनीच का भाव न देखकर गांधी जी बहुत प्रभावित हुए थे। उन दिनों गांधी जी छूआछूत के खिलाफ अभियान चला रहे थे। उन्होंने तब माना था कि संघ के ऐसे प्रयास भारतीय समाज में बराबरी का भाव लाने में सफल हुए। राजनीति अक्सर महात्मा गांधी को लेकर संघ पर आरोप लगाती है कि वह महात्मा गांधी को नहीं मानता। संघ को सामाजिक रूप से बांटने को लेकर जब भी हमला किया जाता है, अक्सर गांधी विचार का ही सहारा लिया जाता है। हालांकि संघ ने कभी ऐसी कोई मंशा जाहिर नहीं की। उलटे गांधी संघ के समानता के विचारों से प्रभावित रहे। जिसकी तसदीक उनके द्वारा ही प्रकाशित हरिजन पत्रिका के 28 सितंबर 1947 के अंक में प्रकाशित एक रिपोर्ट करती है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, गांधी जी ने दिल्ली में सफाईकर्मियों की बस्ती में हुए संघ के एक कार्यक्रम में 16 सितंबर 1947 को हिस्सा लिया था। इस रिपोर्ट में लिखा है,?गांधी जी ने कहा कि वे कई साल पहले वर्धा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शिविर में गए थे, जब संस्थापक श्री हेडगेवार जीवित थे। स्वर्गीय श्री जमनालाल बजाज उन्हें शिविर में ले गए थे और वे (गांधी) उनके अनुशासन, अस्पृश्यता की पूर्ण अनुपस्थिति और कठोर सादगी से बहुत प्रभावित हुए थे। पहले कर्नाटक और बाद में बिहार में हुई जाति जनगणना के बाद राजनीति का एक हिस्सा पूरे देश में जाति जनगणना कराने को लेकर अभियान छेड़े हुए है। भारत में पहली बार जाति जनगणना 1931 में हुई थी। अंग्रेजों ने इसका इस्तेमाल भारत में अपने राज बचाने की कोशिश के रूप किया था। शायद दूसरे विश्व युद्ध और स्वाधीनता आंदोलन की तेजी की वजह से 1941 में जनगणना नहीं हुई। आजादी के बाद 1951 की जनगणना की जब तैयारी चल रही थी तो राजनीति के एक हिस्से ने जाति जनगणना की मांग रखी थी। लेकिन जनगणना के प्रभारी मंत्री के नाते तत्कालीन स्वराष्ट्र मंत्री सरदार पटेल ने इस मांग को खारिज कर दिया था। पटेल का मानना था कि जाति जनगणना से सामाजिक तनाव बढ़ेगा और अंततः वह विखंडन को ही बढ़ावा देगा। कुछ ऐसी ही सोच संघ की भी है। हालांकि कुछ दिनों पहले संघ के प्रचार प्रमुख सुनील अंबेडकर ने जाति जनगणना का समर्थन किया था। जिससे माना गया था कि संघ भी जाति जनगणना के पक्ष में है। ऐसी सोच रखने वालों ने अंबेडकर के विचार के अगले हिस्से पर ध्यान नहीं दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रशासनिक कार्यों के लिए ऐसे आंकड़े जुटाए जा सकते हैं, लेकिन उनका राजनीतिक दुरूपयोग नहीं होना चाहिए।

गांधी जी के बाद संघ शायद अकेला संगठन है, जिसके कार्यक्रम नियमित रूप से वंचित और मलिन बस्तियों में होते रहते हैं। समाज के हाशिए पर पड़े व्यक्तियों और समुदायों से बिना किसी भेदभाव के संघ लगातार संवाद करता रहता है। मलिन और वंचित बस्तियों में रोजगार और शिक्षा के साथ ही सफाई को लेकर संघ और उसके कार्यकर्ता आए दिन जुटे रहते हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

भारत के आर्थिक विकास में जनजाति समाज का है भरपूर योगदान

> भारतीय वन क्षेत्रों में पाए जाने वाले प्रमुख वनस्पतियों, पेड़ों एवं उत्पादित वस्तुओं में शामिल रहे हैं बबूल, बेर, चन्दन, धोक, धामन, धावडा, गुदी, हल्दू, इमली, जामुन, कजरी, खेजडी, खेडा, कुमटा, महुआ, नीम, पीपल, सागवान, आम, मुमटा, सालर, बानोटीया, गुलर, बांस, अरीठा, आंवला, गोंद, खेर, केलडी, कडैया, आवर, सेलाई वृक्षों से करा, कत्था, लाख, मौम, धोली व काली मुसली, शहद, आदि। इनमें से कई वनस्पतियों की तो औषधीय उपयोगिता है।

प्रहलाद सबनानी

भारत भूमि का एक बड़ा हिस्सा वनों एवं जंगलों से आच्छादित है। भारतीय नागरिकों को प्रकृति का यह एक अनोखा उपहार माना जा सकता है। इन वनों एवं जंगलों की देखभाल मुख्य रूप से जनजाति समाज द्वारा की जाती रही है। जनजाति समाज की विकास यात्रा अपनी भूख मिटाने एवं अपने को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से केवल वनों के इर्द गिर्द चलती रहती है। वास्तविक अर्थों में इसीलिए जनजाति समाज को धरतीपुत्र भी कहा जाता है। प्राचीन काल से केवल प्रकृति ही जनजाति समाज की सम्पत्ति मानी जाती रही है, जिसके माध्यम से उनकी सामाजिक, आर्थिक एंव पारिस्थितिकीय आवश्यकताओं की पूर्ति होती रहती है। ऐसा कहा जाता है कि अनादि काल से जनजाति संस्कृति व वनों का चोली दामन का साथ रहा है और जनजाति समाज का निवास क्षेत्र वन ही रहे हैं। इस संदर्भ में यह भी कहा जा सकता है कि वनों ने ही जनजातीय जीवन एंव संस्कृति के उद्भव, विकास तथा संरक्षण में अपनी आधारभूत भूमिका अदा की है। भील वनवासियों का जीवन भी वनों पर ही आश्रित रहता आया है। जनजाति समाज अपनी आजीविका के लिए वनों में उत्पन्न होने वाली विभिन्न प्रकार की वस्तुओं का उपयोग करते रहे हैं।

भारतीय वन क्षेत्रों में पाए जाने वाले प्रमुख वनस्पतियों, पेड़ों एवं उत्पादित वस्तुओं में शामिल रहे हैं बबूल, बेर, चन्दन, धोक, धामन, धावडा, गुदी, हल्दू, इमली, जामुन, कजरी, खेजडी, खेडा, कुमटा, महुआ, नीम, पीपल, सागवान, आम, मुमटा, सालर, बानोटीया, गुलर, बांस, अरीठा, आंवला, गोंद, खेर, केलडी, कडैया, आवर, सेलाई वृक्षों से करा, कत्था, लाख, मौम, धोली व काली मुसली, शहद, आदि। इनमें से कई वनस्पतियों की तो औषधीय उपयोगिता है। कुछ जड़ी बूटियों जैसे आंवला का बीज, हेतडी, आमेदा, आक, करनीया, ब्राह्मी, बोहडा, रोंजडा, भोग पत्तियां, धतुरा बीज, हड, भुजा, कनकी बीज, मेंण, अमरा, कोली, कादां, पडूला, गीगचा, इत्यादि का उपयोग रोगों के निवारण के लिए किया जाता रहा है। आमेदा के बीजों को पीसकर खाने से दस्त बंद हो जाते हैं। अरण्डी के तेल से मालिश एंव पत्तों को गर्म करके कमर में बांधने से दर्द कम हो जाता है। बुखार को ठीक करने के लिए कड़ा वृक्ष के बीजों को पीस कर पीते हैं। जोडों में दर्द ठीक करने के लिए ग्वार व सैजने के गोंद का उपयोग करते हैं। फोडे फुन्सियों एवं चर्म रोग को ठीक करने के लिए नीम के पत्तों को उबालकर पीते हैं। इसके अलावा तुलसी, लौंग, सोठ, पीपल, काली मिर्च का उपयोग बुखार एवं जुखाम ठीक करने के लिए किया जाता है। शुरूआती दौर में तो जनजाति समाज उक्त वर्णित वनस्पतियों एवं उत्पादों का उपयोग केवल स्वयं की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए ही करते रहे हैं परंतु हाल ही के समय में इन वनस्पतियों का उपयोग व्यावसायिक रूप से भी किया जाने लगा है। व्यावसायिक रूप से किए जाने वाले उपयोग का लाभ जनजाति समाज को न मिलकर इसका पूरा लाभ समाज के अन्य वर्गों के लोग ले रहे हैं। उक्त वनस्पतियों एवं उत्पादों का व्यावसायिक उपयोग करने के बाद से ही प्रकृति का दोहन करने के स्थान पर शोषण किया जाने लगा है क्योंकि कई उद्योगों द्वारा उक्त उत्पादों का कच्चे माल के रूप में उपयोग किया जाने लगा है। इससे ध्यान में आता है कि जनजाति समाज द्वारा देश की अर्थव्यवस्था में विकास को गति देने के उद्देश्य से अपनी भूमिका का निर्वहन तो बहुत सफल तरीके से किया जाता रहा है परंतु अर्थव्यवस्था के विकास का लाभ जनजातियों तक सही मात्रा में पहुंच नहीं सका है। हालांकि भारत में प्राचीन काल से ही जनजाति समाज जंगलों में अपना जीवन यापन करता रहा है और वनोपज (जैसे मध्यप्रदेश में तेन्दु पत्ता को एकत्रित करना) को एकत्रित करता रहा है परंतु अब धीरे धीरे अपने आप को यह समाज कृषि कार्य एवं पशुपालन जैसे अन्य कार्यों में भी संलग्न करने लगा है। जनजाति समाज ने बिना किसी भय के सघन वनों में जंगली जानवरों व प्राकृतिक आपदाओं से लड़ते हुए अपने जीवन को संघर्षमय बनाया है। जनजाति समाज ने कृषि कार्य के लिए सर्वप्रथम जंगलों को काटकर जलाया। भूमि साफ कर इसे कृषि योग्य बनाया और पशुपालन को प्रोत्साहन दिया। विकास की धारा में आगे बढ़ते हुए धीरे-धीरे विभिन्न गावों एवं कस्बों का निर्माण किया। आज भी जनजाति समाज की अधिकांश जनसंख्या दुर्गम क्षेत्रों में निवास करती है। इन इलाकों में संचार माध्यमों का अभाव है। हालांकि धीरे धीरे अब सभी प्रकार की सुविधाएं इन सुदूर इलाकों में भी पहुंचाई जा रही हैं। परंतु, अभी भी जनजातीय समाज कृषि सम्बन्धी उन्नत विधियों से अनभिज्ञ है। सिंचाई साधनों का अभाव एवं उपजाऊ भूमि की कमी के कारण ये लोग परम्परागत कृषि व्यवस्था को अपनाते रहे हैं और इनकी उत्पादकता बहुत कम है। जनजाति समाज ने वनों के सहारे अपनी संस्कृति को विकसित किया। घने जंगलों में विचरण करते हुए उन्होंने जंगली जानवरों शेर, भालु, सुअर, गेंडे, सर्प, बिच्छु आदि से बचने के लिए आखेट का सहारा लिया। वनों एवं पहाडियों के आन्तरिक भागों में रहते हुए भील समाज शिकार करके अपनी आजीविका चलाता रहा है। भील समाज जंगलों में झूम पद्धति से खेती, पशुपालन, एवं आखेट कर अपने परिवार का पालन पोषण करते रहे हैं।

घने जंगलों में जनजाति समाज को प्रकृति द्वारा, स्वच्छंद वातावरण, स्वच्छ जल, नदियां, नाले, झरने, पशु पक्षियों का कोलाहल, सीमित तापमान, हरियाली, आर्द्रता, समय पर वर्षा, मिटटी कटाव से रोक, आंधी एंव तूफानों से रक्षा, प्राकृतिक खाद, बाढ़ पर नियंत्रण, वन्य प्राणियों का शिकार व मनोरंजन इत्यादि प्राकृतिक रूप से उपलब्ध कराया जाता रहा है। इसी के चलते जनजाति समाज घने जंगलों में भी बहुत संतोष एवं प्रसन्नता के साथ रहता है। जनजाति समाज आज भी भारतीय संस्कृति का वाहक माना जाता है क्योंकि यह समाज सनातन हिंदू संस्कृति का पूरे अनुशासन के साथ पालन करता पाया जाता है। जनजाति समाज आज भी आधुनिक चमक दमक से अपने आप को बचाए हुए है। इसके विपरीत शहरों में रहने वाला समाज समय समय पर भारतीय परम्पराओं में अपनी सुविधानुसार परिवर्तन करता रहता है। हाल ही के समय में अत्यधिक आर्थिक महत्वकांक्षा के चलते वनों का अदूरदर्शितापूर्ण ढंग से शोषण किया जा रहा है। विश्व पर्यावरण एवं विकास आयोग के अनुसार विश्व में प्रतिवर्ष 110 लाख हैक्टर भूमि के वन नष्ट किये जा रहे है। पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार प्रत्येक देश में उपलब्ध भूमि के लगभग 33 प्रतिशत भाग पर वन होना आवश्यक है। यदि वनों का इस प्रकार कटाव होता रहेगा तो जनजाति समाज पर विपरीत प्रभाव पड़ना स्वाभाविक ही है।

भारत द्वारा इस संदर्भ में कई प्रयास किए जा रहे हैं। देश में वनों के कटाव को रोकने के लिए वर्ष 2015 एवं 2017 के बीच देश में पेड़ एवं जंगल के दायरे में 8 लाख हेक्टेयर भूमि की वृद्धि दर्ज की है। साथ ही, भारत ने वर्ष 2030 तक 2.10 करोड़ हेक्टेयर जमीन को उपजाऊ बनाने के लक्ष्य को बढ़ाकर 2.60 करोड़ हेक्टेयर कर दिया है ताकि वनों के कटाव को रोका जा सके। भारत में सम्पन्न हुई वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में अनुसूचित जनजातियों की कुल जनसंख्या 10.43 करोड़ है, जो भारत की कुल जनसंख्या का 8.6 प्रतिशत है। जनजाति समाज को देश के आर्थिक विकास में शामिल करने के उद्देश्य से केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही हैं ताकि इस समाज की कठिन जीवनशैली को कुछ हद तक आसान बनाया जा सके।

हनुमान जी की पूजा के समय करें इस स्त्रोत का पाठ

हिंदू धर्म में हर दिन किसी न किसी देवी-देवता को समर्पित होता है। जैसे मंगलवार का दिन हनुमान जी को समर्पित होता है। हनुमान जी को प्रभु श्रीराम का अनन्य भक्त माना जाता है। मंगलवार के दिन जो भी जातक हनुमान जी के सच्चे मन और विधि-विधान से पूजा करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। वहीं मंगलवार का व्रत करने से जातक को हर कार्य में सफलता मिलती है और सभी कार्य बनने लगते हैं। वहीं ज्योतिष भी कार्य में सफलता पाने के लिए हनुमान जी की पूजा करने की सलाह देते हैं।

बता दें कि हनुमान जी की विधि-विधान से पूजा करने से कुंडली में अशुभ ग्रहों का प्रभाव भी खत्म हो जाता है। वहीं जातक के जीवन में भी मंगल का आगमन होता है। यदि आप आर्थिक तंगी और कष्टों से निजात पाना चाहते हैं, तो आपको मंगलवार के दिन स्नान आदि के बाद विधि-विधान से हनुमान जी की पूजा करनी चाहिए औ? पूजा के दौरान ऋणमोचन स्त्रोत का पाठ करना चाहिए। इस स्त्रोत का पाठ करने से व्यक्ति को कर्ज से मुक्ति मिलती है और आर्थिक स्थिति ठीक हो जाती है।

ऋणमोचन अङ्गारकस्तोत्रम

रक्तमाल्याम्बरधरः शूलशक्तिगदाधरः ।
चतुर्भुजो मेषगतो वरदश्च धरासुतः ॥
मङ्गलो भूमिपुत्रश्च ऋणहर्ता धनप्रदः ।
स्थिरासनो महाकायो सर्वकामफलप्रदः ॥
लोहितो लोहिताक्षश्च सामगानां कृपाकरः ।
धरात्मजः कुजो भौमो भूमिदो भूमिनन्दनः ॥
अङ्गारको यमश्चैव सर्वरोगापहारकः ।
सृष्टेः कर्ता च हर्ता च सर्वदेशैश्च पूजितः ॥
एतानि कुजनामानि नित्यं यः प्रयतः पठेत ।
ऋणं न जायते तस्य श्रियं प्राप्नोत्यसंशयः ॥
अङ्गारक महीपुत्र भगवन्‍ भक्तवत्सल ।
नमोऽस्तु ते ममाशेषं ऋणमाशु विनाशय ॥
रक्तगन्धैश्च पुष्पैश्च धूपदीपैगुर्डोदनैः ।
मङ्गलं पूजयित्वा तु मङ्गलाहनि सर्वदा ॥
एकविंशति नामानि पठित्वा तु तदन्तिके ।
ऋणरेखा प्रकर्तव्या अङ्गारेण तदग्रतः ॥
ताश्च प्रमार्जयेन्नित्यं वामपादेन संस्मरन्‍ ।
एवं कृते न सन्देहः ऋणान्मुक्तः सुखी भवेत ॥
महतीं श्रियमाप्नोति धनदेन समो भवेत ।
भूमिं च लभते विद्वान्‍ पुत्रानायुश्च विन्दति ॥

मूलमन्त्रः

अङ्गारक महीपुत्र भगवन्‍ भक्तवत्सल ।
नमस्तेऽस्तु महाभाग ऋणमाशु विनाशय ॥
अर्घ्यम । भूमिपुत्र महातेजः स्वेदोद्भव पिनाकिनः ।
ऋणार्थस्त्वां प्रपन्नोऽस्मि गृहाणार्घ्यं नमोऽस्तु ते ॥

स्तोत्र के लाभ

इस स्त्रोत का रोजाना जाप करने से जातक पर हनुमान जी की विशेष कृपा होती है। वहीं हनुमान जी की कृपा से व्यक्ति को जीवन में सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है और आर्थिक तंगी से छुटकारा मिलता है।

टिप्स

क्या आप जानते हैं तुलसी के पौधे से जुड़े ये वास्तु टिप्स

सनातन धर्म में तुलसी का पौधा बेहद पूजनीय होता है। मान्यता के अनुसार, घर में तुलसी का पौधा रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। घर से नकारात्मक एनर्जी दूर होती और जीवन में धन, सुख-समृद्धि और खुशहाली आती है। इसके साथ ही कार्तिक माह में घर में तुलसी का पौधा लगाना और उसकी पूजा करने शुभ फलदायी होता है। हालांकि, जब भी आप अपने घर में तुलसी का पौधा लगाते हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखना जरुरी है। आइए जानते हैं तुलसी से जुड़े वास्तु टिप्स।

तुलसी के पौधे से जुड़े वास्तु टिप्स

- वास्तु के मुताबिक, तुलसी का पौधा उत्तर-पूर्व दिशा में लगाना अति शुभ माना गया है। इसके अलावा, दक्षिण दिशा में तुलसी का पौधा नहीं लगाएं। यह जीवन में नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है।
- तुलसी के पौधे के पास डस्टबिन, शूज और झाडू रखना नहीं चाहिए।
- आप चाहे तो तुलसी के पौधे को फूलों के पौधों के पास रख सकते हैं, लेकिन इसे कैक्टस के पास न रखें। वरना घर की नेगेटिविटी को बढ़ा देता है।
- घर में विषम संख्या में 1, 3 या 5 तुलसी का पौधा लगाना शुभ माना जाता है। वहीं, सम संख्या में 2, 4 या 6 तुलसी के पौधे नहीं लगाना चाहिए।
- तुलसी का पौधा सदैव ऊंचा स्थान पर रखें।
- तुलसी के सुखे पौधे को घर पर कभी भी न रखें। इसको आपको जल्द ही घर से हटा दें। इसके जगह नया पौधा लगा दें।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची, (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

गैंगस्टर डब्लू सिंह ने किया आत्मसमर्पण

संवाददाता

पलामू: कुख्यात आपराधिक गिरोह का सरगना गौतम कुमार सिंह उर्फ डब्ल्यू सिंह ने पलामू पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। पलामू एसपी रीष्मा रमेशन के समक्ष डब्लू सिंह के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। गौतम कुमार सिंह उर्फ डब्ल्यू सिंह झारखंड में पहला ऐसा आपराधिक गिरोह का सरगना है जिसने पुलिस के सामने अपने हथियार डाल दिए हैं।

पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि रविवार रात 10।30 में डब्लू सिंह मेदिनीनगर टाउन थाना पहुंचा था और उनके समक्ष आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पण में मेदिनीनगर के पूर्व थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार की बड़ी भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस लगातार अभियान चला रही है, मुख्यधारा में शामिल होने वाले नक्सलियों के लिए कई योजना है। संगठित अपराध के खिलाफ भी अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस की अपील है कि संगठित अपराध से नहीं जुड़े। वे मुख्यधारा में शामिल हो। न्यायिक प्रक्रिया के अंतर्गत पुलिस सहयोग करेगी।

'सामान्य जीवन जीना चाहता हूं'

कुख्यात अपराधी डब्लू सिंह ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण के बाद कहा कि वह अब एक सामान्य जीवन जीना चाहता है। जो भी मुख्यधारा से भटक गए हैं वे अपराध का रास्ता छोड़ दें। डब्लू सिंह ने कहा कि झारखंड सरकार और पुलिस की नीतियों से प्रभावित हुआ और उसने आत्मसमर्पण किया है।

डब्लू सिंह पर 40 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। झारखंड पुलिस ने डब्लू सिंह पर पांच लाख रुपए का इनाम प्रस्तावित था। 2016 में पलामू कोर्ट ने डब्लू सिंह को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गयी थी। बाद में वह जमानत पर कोर्ट से बाहर निकला था। उसके बाद से वह फरार चल रहा था। डब्लू सिंह का आत्मसमर्पण पलामू पुलिस के लिए बड़ी सफलता मानी जा रही है। डब्लू सिंह पलामू पुलिस के अधिकारियों के संपर्क में आया जिसके बाद उसने आत्मसमर्पण किया।गौतम कुमार सिंह उर्फ डब्लू सिंह मूल रूप से पलामू के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के फुलांग का रहने वाला है। 2006-07 से डब्लू सिंह अपराध की जगत में सक्रिय रहा है। डब्लू सिंह का नेटवर्क पलामू जिला के साथ साथ गढ़वा, लातेहार, चतरा, हजारीबाग, रामगढ़, रांची और जमशेदपुर समेत कई इलाकों में फैला हुआ था। पलामू पुलिस के रिकॉर्ड के अनुसार डब्लू सिंह पर 37 मामले दर्ज हैं। जिनमें कई संगीन मामले भी शामिल हैं। 3 जून 2020 को पलामू के मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र में कुख्यात गैंगस्टर कुणाल सिंह की हत्या हुई थी। इस हत्याकांड का आरोप डब्लू सिंह गिरोह पर लगा था जिसके बाद से डब्लू सिंह लगातार फरार चल रहा था। डब्लू सिंह मुख्यधारा में शामिल होते हुए पलामू पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है।

न्यूज IN ब्रीफ

प्राचीन, अनोखा और अलौकिक है बाबा मंदिर में बेलपत्र प्रदशर्नी का आयोजन : उपायुक्त

देवघर : बाबा बैद्यनाथ मंदिर में बेलपत्र प्रदर्शनी का आयोजन एक अनोखी परंपरा है जो कई वर्षों से भी अधिक समय से चली आ रही है। रविवार को बांग्ला सावन के समापन एवं भादो मेला के संक्रांति तिथि को बाबा बैद्यनाथ पर बेलपत्र अर्पित करने की प्राचीन परंपरा में शामिल हुए। इस दौरान विभिन्न समाजों और दलों द्वारा बेलपत्रों को सजाकर, बाबा भोलेनाथ पर अर्पित किया कर पूजा की गई।

ज्ञात हो कि बाबा मंदिर में चली आ रही लगभग 200 साल की परंपरा के अनुसार बेलपत्र प्रदर्शनी व बेलपत्र चढ़ाने की प्राचीन परंपरा है। संक्रांति से संक्रांति तक बाबा मंदिर प्रांगण में बेलपत्र की प्रदर्शनी लगाई जाती है, जिसका समापन आज 17 अगस्त रविवार को प्रदर्शनी लगाकर किया जाएगा। इसके अतिरिक्त संध्या 6 बजे से सभी दलों की ओर से अपने पहाडी.विल्वपत्र को चांदी व स्टील के बर्तनों में फुलों से सजाकर शहर भ्रमण को निकला जाता है।

बिहार पुलिस ने मिर्जाचौकी में की छापामारी एक गिरफ्तार

साहिबगंज/ मंडरोः टोटो ड्राइवर के साथ मारपीट एवं लूट मामले में बिहार के भागलपुर जिला की नाथनगर थाना पुलिस ने मिजाचौकी बाजार स्थित टेलीफोन एक्सचेंज के बगल वाली गली में छापा मेरी अभियान चलाकर लूटी की गई टोटो की बैटरी बरामद कर ली है। पुलिस ने बताया कि उक्त बैटरी में चिप लगा था। जिसके आधार पर चंदन सिंह के घर छापामारी करते हुए बैटरी को बरामद किया गया। जबकि नाथनगर थाना पुलिस ने चंदन सिंह को गिरफ्तार कर पूछताछ के लिए अपने साथ ले गए। हालांकि पुलिस के अनुसार 20 दिन पूर्व भागलपुर जिला के नाथनगर थाना क्षेत्र में टोटो लुट की वारदात की गई थी मामले में चालक के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

झारखंड मजदूर संघ की बैठक 20 अगस्त को

साहिबगंजः झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक जिला कमेटी की बैठक 20 अगस्त को होगी। इस बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मिथुन कुमार यादव करेंगे। बैठक में केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव उपस्थित रहेंगे। इसकी जानकारी जिला उपाध्यक्ष विपिन कुमार व पंकज ने दी।

ग्रिजली विद्यालय में 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया

कोडरमा : तिलैया डैम स्थित ग्रिजली विद्यालय में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह और देशभक्ति के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्राचार्या अंजना कुमारी द्वारा परेड निरीक्षण से हुई, जिसके बाद ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान संपन्न हुआ। उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम हाउस के विद्यार्थियों ने आकर्षक मार्च-पास्ट प्रस्तुत किया।अपने संबोधन में प्राचार्या अंजना कुमारी ने कहा कि स्वतंत्रता कोई उपहार नहीं, बल्कि यह बलिदान, साहस और संघर्ष से अर्जित की गई धरोहर है। सच्ची आजादी तभी होगी जब हर नागरिक जाति-धर्म से ऊपर उठकर राष्ट्र को प्राथमिकता दे, स्वच्छता और शिष्टाचार को अपनाए, और अपनी सफलता को भारत की सफलता बनाए।इसके बाद कार्यक्रम विद्यालय के ऑडिटोरियम में हुआ, जिसकी शुरूआत मिस काव्या एवं समूह द्वारा प्रार्थना गीत से हुई। मिस शानवी एवं समूह का समूह गीत, मास्टर त्रिजल राज का अंग्रेजी भाषण और प्री-प्राइमरी व प्राइमरी विद्यार्थियों की फैंसी ड्रेस प्रस्तुति दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर गई। कक्षा 2 की अलीना (रानी लक्ष्मीबाई), कक्षा 5 के वर्षित सर्वन्य (स्वामी विवेकानंद), कक्षा 3 की इफ्त फातिमा (मलाला यूसुफजई), कक्षा 1 की अंशिका यादव (नेताजी सुभाष चंद्र बोस) और यूकेजी के कुंज रत्तन (पृथ्वीराज चौहान) के रूप में सराहे गए। इनकी तैयारी में शिक्षिकाएँ शुशमा, रीना हुड्डा, रिम्मी चटर्जी, अनु कपसीमे और स्वेता प्रकाश का विशेष योगदान रहा।इसके पश्चात मिस आद्या यादव का हिंदी भाषण, मिस आस्था का सशक्त रोल-प्ले, मिस डोना सिंह का कविता पाठ और मास्टर अविनंत एवं समूह का समूह नृत्य प्रस्तुत हुआ। अंत में सभी को मिठाइयाँ वितरित की गईं।कार्यक्रम की सजावट कला शिक्षकों दीप्तीमा मिश्रा और संजय कुमार ने की। एंकरिंग श्रेया विजय जेसवाल और अनन्या ज्योति ने शिक्षिका मनीषा चंद्रा के निर्देशन में की। संपूर्ण आयोजन सीसीए समन्वयक आर।आर। सिंह और स्पोर्ट्स कोऑर्डिनेटर अमित दास के नेतृत्व में संपन्न हुआ। विजय सिंह, जितेन्द्र चौधरी, बी।डी। नस्कर, अनुराग कुमार सिंह, शिल्पी भदानी, प्रीति जगनानी, वंदना, साहिल, श्याम बाबला, अनुप मोदी, सुभाष, दीपक नायक, नागेन्द्र कुमार, कुमार राजीव, कृष्णा, नरेश, अमरेश, मनीषा, आर।डी। पांडेय, एवली, महिमा, श्रुति, आरती, संदीप, रामाकांत, रूपेश, सुधीर, स्वेता प्रियंवदा, अल्पना, बनानी, संतोष बेसरा, विकास यादव, सौरव केशरी, अमरदीप पांडेय, शीतल केशरी, कुनाल अंबष्टा एवं अन्य सदस्यों का योगदान सराहनीय रहा।समारोह अत्यंत उत्साहवर्धक, प्रेरणादायक और सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

योगीराज पहाड़ी मंदिर परिसर में हुआ भक्ति जागरण

मेदिनीनगर : सदर प्रखंड के चियांकी बाबा योगीराज पहाड़ी मंदिर परिसर में शनिवार की रात में जन्माष्टमी के मौके पर भक्ति जागरण का आयोजन किया गया। उद्घाटन पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने की। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए एसपी ने कहा कि धार्मिक आयोजन से क्षेत्र में एकता और भाईचारे को बढ़ावा मिलता हैं। उन्होंने बाबा योगीराज पहाड़ी मंदिर को अद्भुत स्थल बताते हुए इसे पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया।

घायल व्यक्ति को सदर अस्पताल से किया गया रेफर

संवाददाता

साहिबगंज : करमटोला रेलवे स्टेशन के समीप एक लोकल ट्रेन से साहिबगंज आने के दौरान कहलगांव मौसा मुंडा गांव निवासी मो। साहिल गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। वहां पर मौजूद कुछ स्थानीय लोगों ने तुरंत इलाज के लिए साहिल को सदर अस्पताल भिजवाया जहां डाक्टर तुरंत प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। घायल साहिल के स्वजन ने बताया कि साहिल की बहन का ससुराल जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के मजहर टोला में है। वह अपनी बहन को छोड़ने के लिए ट्रेन से आ रहा था इसी दौरान करम टोला रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन के गेट के पास जा रहा था इसी दौरान किसी तरह उसका संतुलन बिगड़ गया और ट्रेन से गिर गया। जिसके कारण उसके सिर पर गंभीर चोट लगे। कुछ स्थानीय लोगों ने मदद से इलाज के लिए सदर अस्पताल भिजवाया गया। इधर डाक्टर ने बताया कि सर पर गंभीर चोट लगी है। बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

बाइक की टक्कर से किशोर की मौत, वृद्ध गंभीर

संवाददाता

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महादेवगंज, मठिया के समीप सड़क हादसे में एक किशोर की मौत हो गई। जबकि एक वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार घोड़मारा पुल की ओर से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने छोटा सोलबंधा निवासी लोकनाथ यादव के घर के पास उसके पुत्र कन्हाई लाल यादव13 वर्ष को टक्कर मार दी। वहीं वहां से 20-30 फिट दूर सड़क की दूसरी तरफ शोभनपुर मठिया निवासी बल्ली मंडल 94 से जा टकराई। जिससे वृद्ध बुरी तरह घायल हो गए। दोनों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टर ने कन्हाई लाल यादव को मृत घोषित कर दिया। वहीं बल्ली यादव को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। बताया जाता है कि बाइक पर दो युवक सवार थे। पुलिस ने उनमें से एक युवक को हिरासत में लेकर छानबीन शुरू कर दी है।

शहीद स्मारक में विधायक डॉ नीरा यादव ने किया ध्वजारोहण

79वें स्वतंत्रता दिवस पर डोमचांच में शान से लहराया तिरंगा दी गई झंडे को सलामी

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पूरा डोमचांच प्रखंड तिरंगे से पटा दिखा। चारों और देश भक्ति के गाने तराने बजते दिखे। सरकारी गैर सरकारी संस्थान और सरकारी गैर सरकारी विद्यालयों में 79वा स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। डोमचाँच शहीद स्मारक परिसर में विधायक डॉ नीरा यादव ने शहीदों को श्रद्धांजलि देने के पश्चात झंडोत्तोलन किया गया। प्रखण्ड मुख्यालय परिसर में प्रमुख डॉ सत्यनारायण यादव द्वारा झंडोत्तोलन किया गया। नगर कार्यालय में कार्यपालक पदाधिकारी शंभू प्रसाद कुशवाहा द्वारा झंडोत्तोलन किया गया। डोमचांच थाना में थाना प्रभारी ओम प्रकाश कुमार वहीं द्वारा झंडोत्तोलन किया गया। नवलशाही थाना में थाना प्रभारी शशि भूषण कुमार द्वारा झंडोत्तोलन कर सभी स्थलों में शान से तिरंगा झंडा लहराकर झंडे को सलामी दी गई। वहीं जीएस पब्लिक स्कूल, लक्ष्य कॉन्वेंट, श्री महेश एकेडमी, इंस्पायर्ड पब्लिक स्कूल, मंथन नेशनल स्कूल, जोबराज मेमोरियल एक्टिव स्कूल, एमएसएम एकेडमी, शनशाइन एजुकेशन एकेडमी, ग्लोबल विजडम, संस्कार पब्लिक स्कूल, राऊमवि माधौती महुआ, रा।ऊ।म।वि बंगाईकला, राऊप्लस टू मसमोहना में धूमधाम से गणतंत्र दिवस मनाया गया। साथ ही वीरों के बलिदान को याद किया गया। कार्यक्रम स्थल प्रखंड विकास पदाधिकारी भोला पाण्डेय सह अंचलाधिकारी रविंद्र पाण्डेय, सीआई सुरेश सिंह, पूर्व नगर अध्यक्ष राजकुमार मेहता, पूर्व नगर उपाध्यक्ष पप्पू मेहता, लीलावती मेहता, जीएस पब्लिक निदेशक नितेश सिंह, भाजपा नेता महेंद्र प्रसाद वर्मा, प्रदीप सिंह, बसंत मेहता, राजद प्रदेश महासचिव रोहित मेहता, सुजीत कुमार, प्रेमांशु कुमार, अरविंद सिंह, हिमांशु कुमार, सुरेश कुमार, उदय मेहता, अशोक यादव, शिशिर सिंह, सुनील सिन्हा के साथ थाना अधिकारी स्कूली बच्चे व अन्य मोजूद थे।

कन्हैया स्थान के नाट्यशाला में कृष्ण जन्माष्टमी पर कार्यक्रम

संवाददाता

साहिबगंजः राजमहल अनुमंडल अंतर्गत विश्व प्रसिद्ध कन्हैया स्थान स्थित कन्हाई नाट्यशाला मंदिर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी त्योहार के अवसर पर आयोजित होने वाला दो दिवसीय कार्यक्रम रविवार को संपन्न हो गया। जबकि रविवार को गंगा पूजन मंदिर परिक्रमा मंगल आरती संकीर्तन का आयोजन एवं भक्तों के बीच महाभोग का वितरण और भंडारा का आयोजन हुआ। इसके पूर्व शनिवार की रात्रि मंदिर परिसर में भक्त जनों से पूरा भरा पड़ा हुआ था ।भक्त जनों लड्डू गोपाल को पालने में झूला भी झुलाया मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर थाना प्रभारी गुलाम सरवर के नेतृत्व में एएसआईस सहित पुलिस बल्कि टीम की तैनाती थे।

मवेशी व्यापारी से अपराधियों ने की लूटपाट

कोई हताहत नहीं

साहिबगंजः तीनपहाड़ थाना क्षेत्र में रविवार को घात लगाए बैठे अपराधी ने जसकुट्टी मोड़ के पास बाइक सवार लोगों से करीब एक लाख पांच हजार रुपए लूट कर फरार हो गए ।पीड़ित राजमहल थाना क्षेत्र के बेलदारचक निवासी मोहम्मद असगर अंसारी ने बताया कि बोरियों जा रहे थे। की इसी क्रम में तीन पहाड़ थाना क्षेत्र के जसकुट्टी मोड़ के पास 6 से 7 नकाबपोश अपराधियों ने उसकी बाइक रोक कर उसके साथ मारपीट करते हुए उसके पास से एक लाख पांच हजार लूट लिया। छिनतीई के दौरान अपराधियों ने शोर मचाने पर गोली मारने की धमकी भी थी। वारदात के बाद मवेशी व्यापारी अपने बाइक लेकर घर लौट आए। जबकि तीन पहाड़ थाना पुलिस के अनुसार रविवार देर शाम तक मामले की संबंधित कोई आवेदन नहीं दिया गया था। आवेदन मिलने पर छानबीन किया जाएगा।

काराखुट पंचायत मुखिया अनीता देवी ने किया ध्वजारोहण

मेट्रो रेज संवाददाता

डोमचांच : 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर काराखुट पंचायत मुखिया अनीता देवी ने ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के बाद उन्होंने और उपस्थित लोगों ने तिरंगे को सलामी देकर राष्ट्रगान पेश किया। इस दौरान बड़ी संख्या में पंचायत वासी मौजूद थे। ध्वजारोहण और राष्ट्रगान के बाद मुखिया अनीता देवी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस हम सब के लिए बेहद ऐतिहासिक है क्योंकि इसी दिन देश के वीरों ने अपनी जान गंवा दिया था। और अंग्रेजो के चंगुल से देश आजाद हुआ था। मौके पर मुखिया अनीता देवी, मुखिया प्रतिनिधि धर्मेंद्र यादव, पंचायत सचिव बबिता कुमारी, वार्ड सदस्य अनिता देवी, दिनेश रजक, राहुल यादव, कपिलदेव शर्मा, उप मुखिया शुभम यादव, राजू शर्मा, मनोहर यादव, रामदेव यादव, रंजू देवी, बबिता देवी व अन्य मौजूद थे।

आरण्यक काव्य मंच के तत्वावधान में भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन

संवाददाता

साहिबगंज : साहित्य भारतीय संस्कृति की पहचान है चाहे वो धर्मग्रंथ हो या लोकतंत्र सबके बोल की भाषा साहित्य ही है। परंतु वर्तमान परिस्थिति में साहित्य के प्रति अभिरुचि घट रही है। इसी उद्देश्य से साहित्य समागम के लिए आरण्यक काव्य मंच साहिबगंज के तत्वावधान में रविवार को भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें दूर दूर से आए कवियों ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुति से दर्शक दीर्घा को तालियां बजाने को मजबूर कर दिया। काव्य मंच के संस्थापक विजय भारती ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत किया। इसके मुख्य अतिथि जैक बोर्ड के पूर्व चेयरमैन प्रो डॉ अरविन्द प्रसाद सिंह, निवर्तमान विधायक अनंत कुमार ओझा,प्रो कमल महावर,शम्भू नाथ यादव विजय भारती,प्रो सुबोध कुमार झा 'आशु' आदि ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की और फिर भगवती रंजन पाण्डेय के कुशल संचालन में कवियों की प्रस्तुति ने शमा बांध दिया। कार्यक्रम दो सत्रों में होगा पहला सत्र 11 बजे से 1 बजे अपराह्न तक तथा दुसरा सत्र 2 बजे से सायं 4 बजे तक चला। उद्घाटन सत्र पुर्वाह्न 10 बजे होगा।मौर्या बैंक्वेट हॉल जो साहेबगंज,चौंक बाजार, राजस्थान हाई स्कूल के निकट है दर्शकों से खचाखच भरा हुआ था।कविगण में विजय भारती , साहिबगंज;राजेन्द्र प्रसाद सिंह,नमन;शम्भू नाथ यादव, साहिबगंज; प्रो सुबोध कुमार झा 'आशु', साहिबगंज उमाशंकर राव उरेन्दू, देवघर; डॉ मनोज राही, गोड्डा शैलेन्द्र राम, गोड्डा; सुश्री मधूबाला शांडिल्य, गोड्डा;प्रमोद निराला, जमालपुर अभय कुमार सिन्हा,सबौर; श्रीमति सपना चंद्रा कहलगांव; इन्द्र ज्योति राय, दुमका; विनय कुमार झा, पटना; श्रीमति इन्द्रानी देवी, बरहरवा; अमन कुमार होली,साहेबगंज;पंकज प्रभा, साहिबगंज;अभय कुमार, साहेबागंज;विद्याधार साह,साहिबगंज आनन्द मोदी साहिबगंज अंजनी कुमार सुमन,मुंगेर;उमेश कुमार मोदी, साहेबगंज;आस्था कुमारी,बोरियो। संचालन के लिए भगवती रंजन पाण्डेय ने अपनी काव्यात्मक अभिव्यक्ति दी।अतिथि में चेतन भारतीय,प्रणव शर्मा, मिथिलेश सिंह,घनश्याम यादव,प्रो कुणाल कांत वर्मा,प्रो दिनेश यादव तथा कई महिलाएं उपस्थित थीं।

अपनी एक्टिंग जर्नी पर बोले संग्राम

हाल ही में रेसलर संग्राम सिंह ने अमर उजाला डिजिटल से अपनी पर्सनल, प्रोफेशनल जिंदगी को लेकर लंबी बातचीत की। आखिर रेसलिंग से उनका फिल्मी और टीवी की दुनिया की तरफ कैसे आना हुआ? वह रेसलिंग से जुड़ी एक फिल्म का हिस्सा बने थे, उसका आखिर क्या हुआ? अपने करियर से जुड़ी और भी कई बातें संग्राम सिंह ने साझा की हैं।

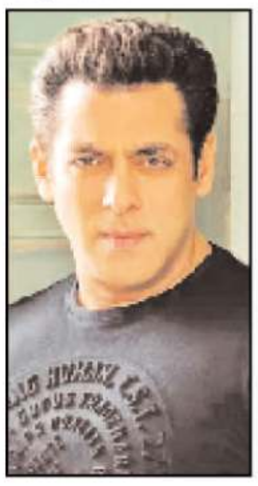

संग्राम सिंह टीवी की दुनिया में शामिल होने के अपने शुरुआती दिनों के बारे में बताते हैं। वह कहते हैं, 'मैं रेसलिंग से होते हुए टीवी और फिल्मों की दुनिया में आया। शुरुआत में लोग मुझे सिर्फ मजाक उड़ाने वाला लड़का मानते थे। लेकिन धीरे-धीरे जब मेरा काम दिखने लगा तो वही लोग सराहने लगे। मैं उस वक्त साउथ अफ्रीका से प्रोरेसलिंग की ट्रेनिंग लेकर लौटा। कुछ वक्त के बाद 'बिग बॉस' रियलिटी शो में पहुंचा, जहां देश के नामी लोग थे। उस मंच पर सलमान खान ने मेरे स्ट्रगल का जिक्र किया, वो मोमेंट मेरे लिए एक टर्निंग प्वाइंट था।'

मैं सिर्फ सच्चाई के साथ खड़ा होता हूं

संग्राम सिंह ने कुछ वक्त में ही अपने लिए टीवी की दुनिया में पहचान बना ली थी, इसकी वजह उनकी सच्चाई थी। वह कहते हैं, 'सर्वाइवर शो में जब लोगों से पूछा गया कि लीडर कौन हो सकता है? तो सबने मेरा नाम लिया। मैं कभी भेदभाव नहीं करता हूं। हमेशा सच्चाई के साथ खड़ा रहता हूं। उसी शो में पायल से मुलाकात हुई, जिसने मेरे स्ट्रगल के पीछे की सच्चाई को पहचाना।'

फिल्म नहीं बनी लेकिन मेरा भरोसा बना रहा

संग्राम सिंह ने रियलिटी शो के बाद एक फिल्म पर काम करना शुरू किया, जो बन नहीं सकी। इस अनुभव पर वह कहते हैं, 'मेरी जिंदगी में श्याम बाबू एक मिरेकल की तरह आए। कोई जान-पहचान नहीं था, जिसने कहा कि एक फिल्म बन रही है। इंडिया के पहले रेसलर पर और तुम्हें बात करनी चाहिए। मुझे उस वक्त तक कुछ भी अंदाजा नहीं था, न सिनेमा के मायने, न कैमरे के सामने खड़े होने की समझ। मैं उस फिल्म के लिए इंडिया का पहला ब्रांड एंबेसडर और स्पीकर बना। फैमिली बैकग्राउंड से लेकर एंटरटेनमेंट तक की बात उस एक मीटिंग में हुई। लेकिन श्याम बाबू ने मुझसे एक वादा लिया कि मैं अगले कुछ साल सिर्फ इस प्रोजेक्ट पर फोकस करूंगा और कोई दूसरा काम नहीं करूंगा। मैंने हां कर दिया और वहीं से एक नई शुरुआत हुई।

तीन साल की मेहनत, सेविंग्स, उम्मीद...सब खत्म हो गया

संग्राम सिंह आगे बताते हैं, 'नितिन देसाई जी प्रोजेक्ट से जुड़ गए, एक बड़ी टीम तैयार होने लगी, फिल्म अनाउंस हो गई, नाम आने लगे, न्यूज में मेरी चर्चा होने लगी। लेकिन फिर किसी कारण से वो फिल्म रुक गई। कोई और होता तो टूट जाता, लेकिन मेरे पास टूटने का विकल्प कभी था ही नहीं। तीन साल तक कोई कमाई नहीं हुई। मैं हर रोज अपनी सेविंग्स से ही जिंदगी चला रहा था और खाली समय में मराठी, अभिनय और टेक्निकल चीजें सीखनी शुरू कर दीं। मुझे यह तक नहीं पता था कि कैमरे की लाइट कैसी होती है या डायलॉग कैसे बोलते हैं। लेकिन मैं सीखने में लगा, क्योंकि मुझे खुद पर भरोसा था। तीन साल की मेहनत, सेविंग्स, उम्मीद...सब खत्म हो गया था। लेकिन मैंने हिम्मत नहीं छोड़ी।

सिर्फ वो फिल्म करता हूं जो आत्मा से जुड़ती है

आगे भी संग्राम सिंह को फिल्म ऑफर होती हैं, उन्हें किस आधार पर सेलेक्ट करते हैं? यह पूछने पर वह कहते हैं, 'जब फिल्म नहीं बनी तो मैंने एक गाना किया। आगे भी प्रोजेक्ट्स आए, फिर रुके, फिर लौटे। एक फिल्म करने वाले थे, सुपरस्टार के साथ कुश्ती का सीन था। मैंने मना कर दिया क्योंकि अब मैं समझ चुका था कि सिनेमा सिर्फ शोहरत नहीं है, जिम्मेदारी है। कुछ लोग तो आए जिन्होंने 30-50 लाख देने की बात कही। लेकिन मैं सोचता था, अगर कहानी में जान नहीं है, तो पैसा किस काम का? मैं वो फिल्में करना चाहता था जो जिंदगी बदलें, कम से कम किसी एक की।' अब जब लोग स्क्रिप्ट लाते हैं, तो मैं सबसे पहले ये सोचता हूं कि क्या मैं इस कहानी में अपना सच देखता हूं? क्या ये मेरी आत्मा से मेल खाती है? अगर हां, तो मैं सब कुछ छोड़कर वो करता हूं। वरना मैं गर्मियों में उन लोगों को पानी पिलाता हूं, सर्दियों में रस और चुपचाप अलविदा कह देता हूं।'

मेरे अंदर स्टार वाला एटीट्यूड नहीं है

पंकज त्रिपाठी और श्वेता बसु की जोड़ी वेब सीरीज 'क्रिमिनल जस्टिस' का चौथा सीजन लेकर आ रहे हैं। इस शो का पहला सीजन साल 2019 में आया था। 7 साल बाद भी इस लीगल ड्रामा को लेकर ऑडियंस में क्रेज बरकरार है। हर सीजन में माधव मिश्रा के किरदार को ऑडियंस का खूब प्यार मिला है। पंकज त्रिपाठी और श्वेता बसु को ऑन स्क्रीन दांव पेंच को ऑडियंस ने तीसरे सीजन में खूब पसंद किया था।

आपके चेहरे में आम आदमी वाला एहसास है, जिससे हर कोई कनेक्ट हो जाता है। इस बात को मेंटेन करना कितना मुश्किल है?

बहुत मुश्किल नहीं है। मेरे जैसा होने के लिए एफर्ट लगाने की जरूरत नहीं होती है। मैं रील और रियल दोनों जगह इस चीज को मेंटेन करता हूं। मेरे साथ दूसरी चुनौतियां हैं। मैं एक्टर हूं और मेरे अंदर वो एक्टर वाला एलिमेंट क्यों नहीं आता है? मेरे अंदर क्या केमिकल लोचा है। मूडी, थोड़ा गुस्सैल, स्टाइलिश, एटीट्यूड दिखाना, ये सब एक्टर एलिमेंट होते हैं। मेरे अंदर ये बात आज तक नहीं आ पाई। मैं बहुत बोरिंग इंसान हूं। मेरी वाइफ को भी बोरिंग इंसान लगता हूं।

इस शो में आप सबके लिए सबसे यादगार क्या रहा?

रोहन सिप्पी जिस तरह से अपने एक्टर्स और यूनिट को हैंडल करते हैं, वो वाकई में कमाल होता है। उनके साथ काम करना अपने आप में एक यादगार पल है। कभी नहीं लगा कि हम कुछ बड़ा या बहुत भारी टास्क कर रहे हैं, जबकि 6-7 एपिसोड काफी भारी हैं। इसके अलावा खुशकिस्मती कहिए, पूरी कास्ट भी कमाल की मिली है। सीन कट होने के बाद सबसे एक अलग बॉन्डिंग थी। सेट पर एक घरेलू माहौल होता था। रोहन की जितनी तारीफ की जाए वो कम है। वो बड़ा से बड़ा सीक्वेंस इतनी आसानी से करा लेते थे।

आपके डायलॉग मीम कल्चर का हिस्सा हैं। इस शो में भी ऐसे कई डायलॉग हैं। ये स्क्रिप्ट में होता है या आप खुद क्रिएट करते हैं।

मैं खुद भी जोड़ता हूं। इस शो का किरदार माधव हिंदी इलाके से आता है। मुंबई के मीरा रोड में रहकर सर्वाइवल की लड़ाई लड़ रहा है। यहां रहते हुए वो मुंबई की भाषा बोलने लगा है। मुंबईकर होने के बाद भी, वो अपने गांव-घर वाले मुहावरे बोलता है। जैसा कि श्वेता ने कहा कि वो किरदार की तैयारी करती हैं। ठीक वैसे मैं भी जो बिहारी मुहावरे में जानता हूं, वो माधव के मुंह से बुलवाता हूं।

जब अप्लॉज एंटरटेनमेंट ने पहली बार कहानी नेरेट की थी, तब आपको लगा था कि ये इंडिया की लांगेस्ट रनिंग सीरीज बन जाएगी।

मुझे बिल्कुल ऐसा नहीं लगा था। कहानियां अच्छी हैं इसलिए लोगों को पसंद आती हैं। मैं अपनी बात करूं तो मुझे चौथे सीजन की कहानी बहुत पसंद आई। मैंने पहला एपिसोड सुनकर बोल दिया था कि बढ़िया कहानी है। लीगल ड्रामा इसलिए भी लोगों को पसंद आ रहा क्योंकि उन्हें नई- नई चीजें पता चलती हैं।

मैं जब तक किसी रोल को निभा रही होती हूं, वो मेरे अंदर रहता है

पंकज त्रिपाठी और श्वेता बसु की जोड़ी वेब सीरीज 'क्रिमिनल जस्टिस' का चौथा सीजन लेकर आ रहे हैं। इस बार इसमें उनके साथ दिखेंगी सुरवीन चावला।

सुरवीन आपका किरदार बहुत लेयर्ड है। इस किरदार से निकलने में कितनी मुश्किल हुई?

मेरे साथ ऐसा है कि मैं जब तक किसी रोल को निभा रही होती हूं, वो मेरे अंदर रहता है। जैसे ही किरदार खत्म होता है, मैं उससे बाहर आ जाती हूं। मैंने एक बार किरदार छोड़ दिया फिर वो छूट ही जाता है। मैं ज्यादा वक्त तक उस किरदार में रह नहीं पाती। सीजन-4 में अंजू एक किस्म की इमोशनल कोर भी है। उसकी लाइफ के कुछ फैसले, गलत को सही से परे करना, ये सारी बातें शो के दौरान कठिन और सरप्राइजिंग रहा। मुझे इस शो के कास्ट एंड क्रू के साथ काम करके बहुत मजा आया। मैंने इस चीज को बहुत एंजॉय किया। सीन कट होने के बाद हम सबकी जो एनर्जी होती थी, वो यादगार रहेगी। शायद, इस वजह से भी मैं अपने किरदार से आसानी से निकल जाती थी।

इस शो में आप सबके लिए सबसे यादगार क्या रहा?

रोहन सर की एक और बात है, जो उन्हें अलग बनाती है। वो जो भरोसा हम पर रखते थे, ऐसा लगता था कि किरदार का पकड़ हमारे हाथ में है। ऐसा भरोसा अगर एक डायरेक्टर अपने एक्टर्स के हाथ में सौंप दे तो मजा दोगुना हो जाता है।

म्यूजिक इंडस्ट्री में आए बदलाव पर बोले जुबिन नौटियाल

जुबिन नौटियाल संगीत जगत में लोकप्रिय नाम हैं। अपनी सुरीली आवाज से संगीत प्रेमियों के दिलों में उन्होंने खास जगह बनाई है। हाल ही में सिंगर ने भारतीय फिल्म उद्योग में हुए विकास और बदलाव पर बात की और खुशी जताई। उन्होंने इस पर खुशी जताते हुए कहा कि पहले आर्टिस्ट बनने का सपना देखना बहुत मुश्किल था। सिंगर जुबिन नौटियाल ने न्यूज एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में भारतीय संगीत जगत के वर्तमान परिदृश्य की तारीफ करते हुए कहा कि उभरते कलाकारों के लिए तकनीक की मदद से गाने लिखना अब ज्यादा आसान और सहज हो गया है। सिंगर ने भारत में म्यूजिक इंडस्ट्री में हुए विकास को लेकर एड शीरन और अरिजीत सिंह के नए हिट गीत सैफायर सहित भारतीय और इंटरनेशनल आर्टिस्ट के बीच सहयोग का उदाहरण भी दिया।

नेशनल-इंटरनेशनल का फर्क खत्म

सिंगर ने विदेशों में भारतीय संगीत और भारत में अंग्रेजी संगीत के बढ़ते चलन पर भी खुशी जताई। जुबिन ने कहा, अब कोई नेशनल और इंटरनेशनल नहीं रह गया है। यह सब एक हो गया है। भारत में बहुत ज्यादा इंग्लिश म्यूजिक सुना जाता है और बाहर भी भारतीय संगीत खूब सुना जा रहा है। इसलिए अब सब एक जैसा हो गया है।

सिंगर ने म्यूजिक इंडस्ट्री के वर्तमान वक्त को संगीतकारों के लिए शानदार बताया। उन्होंने कहा कि वे अब किसी संगीत लेबल की मदद के बिना स्वतंत्र रूप से अपना संगीत बना सकते हैं।

तकनीक ने आसान बनाई चीजें

अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए जुबिन ने कहा कि पहले, संगीत कलाकारों के लिए सफलता का मार्ग बेहद मुश्किल था, क्योंकि उन्हें करियर की बुलंदी पर पहुंचने में बहुत मशक्कत करनी पड़ती थी। अब तकनीक के कारण चीजें बहुत आसान हो गई हैं। सिंगर ने कहा, पहले, कलाकार बनने का सपना देखना बहुत मुश्किल था। लेकिन अब आप सपने देख सकते हैं और इसे समझ सकते हैं। आज, तकनीक की वजह से संगीत बनाना बहुत आसान हो गया है और गाना भी इतना आसान हो गया है। सब कुछ इतना आसान और अधिक सुलभ हो गया है।

रिलीज से एक दिन पहले टली सोनाक्षी की फिल्म निकिता रॉय

इन दिनों सोनाक्षी सिन्हा अपनी अपकमिंग फिल्म 'निकिता रॉय' का जमकर प्रमोशन कर रहे हैं। दरअसल, 27 जून को यह फिल्म रिलीज होने वाली थी। मगर कुछ जरूरी कारणों से इसको आगे बढ़ा दिया गया। 'निकिता रॉय' के मेकर्स ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा करते हुए फिल्म की अगली रिलीज डेट साझा की है। पोस्ट में लिखा है, 'हमारी फिल्म 'निकिता रॉय' कई और फिल्मों की रिलीज के बीच खुद को देख रही है, स्क्रीन को लेकर भी स्ट्रगल बना हुआ है। ऐसे में अपने वेलविशर, डिस्ट्रीब्यूटर्स की सलाह पर फिल्म 'निकिता रॉय' को 18 जुलाई तक टालने का फैसला लिया है। जिससे हम ज्यादा से ज्यादा ऑडियंस तक पहुंच पाएंगे। अब तक आपने फिल्म को लेकर जो प्यार दिखाया है, उसके लिए शुक्रिया। आपको थोड़ा इंतजार करना होगा। हम आपसे वादा करते हैं कि यह फिल्म सिनेमाघरों में देखने लायक होगी।' फिल्म 'निकिता रॉय' में सोनाक्षी ने एक जासूस का रोल किया है। जिसका मकसद एक गुरु (परेश रावल) का पर्दाफाश करना है। वह व्यक्ति लोगों को भूत-प्रेतों से छुटकारा दिलाने का दावा करता है। यह फिल्म एक हॉरर, सुपरनेचुरल थ्रिलर फिल्म है। फिल्म में अर्जुन रामपाल भी एक अहम किरदार निभा रहे हैं। सोनाक्षी के लिए खास है ये फिल्म फिल्म 'निकिता रॉय' को लेकर सोनाक्षी एक्साइटेड थीं, मगर अब इसकी रिलीज टल चुकी है। बताते चलें कि साल 2022 में सोनाक्षी की फिल्म 'डबल एक्सएल' थिएटर में रिलीज हुई। इसके बाद काकुडा भी आई, मगर ओटीटी पर रिलीज हुई। ऐसे में देखा जाए तो तीन साल बाद सिनेमाघरों में सोनाक्षी की फिल्म रिलीज होने वाली थी, इसमें भी अब देरी होगी।

प्रीमियर लीगः आर्सेनल ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराकर विजयी शुरूआत की, कैलाफियोरी बने हीरो

एजेंसी

ओल्ड ट्रैफर्ड : मैनचेस्टर यूनाइटेड के महंगे नए आक्रामक लाइनअप का असर पहले ही मैच में फीका पड़ गया, जबकि आर्सेनल ने रविवार को ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए मुकाबले में 1-0 से जीत दर्ज करते हुए प्रीमियर लीग खिताब की अपनी मुहिम का आगाज किया। मैच का एकमात्र गोल इटली के डिफेंडर रिकार्डो कैलाफियोरी ने 13वें मिनट में किया। यूनाइटेड के गोलकीपर अल्ताय बायिंदिर की बड़ी गलती का फायदा उठाते हुए उन्होंने आसान हेडर से गेंद को जाल में डाल दिया। बायिंदिर इस मैच में चोटिल आंद्रे ओनाना की जगह खेले थे। यूनाइटेड ने आक्रामक कमजोरी दूर करने के लिए इस सीजन में 200 मिलियन पाउंड खर्च कर माथियस कुन्हा, ब्रायन म्ब्यूमो और बेंजामिन सेस्को को टीम में शामिल किया है, लेकिन तीनों ही आर्सेनल की मजबूत डिफेंस को भेदने में नाकाम रहे

आर्सेनल ने पिछले तीन सीजन लगातार दूसरे स्थान पर खत्म किए हैं और अब कोच मिकेल आर्टेटा पर 2003-04 के बाद क्लब का पहला लीग खिताब दिलाने का दबाव है। इस मैच में टीम को गोलकीपर डेविड रायया और सॉलिड डिफेंस ने जीत दिलाई। रायया ने कई शानदार बचाव करते हुए यूनाइटेड को बराबरी का मौका नहीं दिया। यूनाइटेड की ओर से पैट्रिक डॉर्गु का शॉट पोस्ट से टकराकर बाहर गया, जबकि म्ब्यूमो और कुन्हा की कोशिशें भी नाकाम रहीं। दूसरी ओर, आर्सेनल का नया स्ट्राइकर विक्टर ग्योकरेस शांत प्रदर्शन करते दिखे और उन्हें जल्द ही काई हैवर्ट्ज.से बदल दिया गया।

दूसरे हाफ में यूनाइटेड ने दबाव जरूर बनाया, लेकिन आर्सेनल ने लीड को बनाए रखा और तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल किए। इस जीत के साथ आर्सेनल ने अपने खिताबी प्रतिद्वंद्वियों लिवरपूल और मैनचेस्टर सिटी के साथ तालमेल बनाए रखा, जिन्होंने भी अपने शुरूआती मैचों में जीत दर्ज की।

यूपी टी20 लीगः मेरठ मैवरिक्स की धमाकेदार जीत, कानपुर सुपरस्टार्स 86 रन से पराजित

एजेंसी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश टी20 लीग 2025 का आगाज रविवार को शानदार अंदाज में हुआ। उद्घाटन मुकाबले में मेरठ मैवरिक्स ने अपने आक्रामक खेल के दम पर कानपुर सुपरस्टार्स को 86 रन से मात दी। मैवरिक्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 225 रन दो विकेट खोकर बनाए। जवाब में सुपरस्टार्स की टीम निर्धारित ओवरों में सिर्फ 139 रन नौ विकेट पर ही बना सकी। मैच में माधव कौशिक ने आतिशी अंदाज दिखाते हुए मात्र 31 गेंदों पर 95 रन की पारी खेली, जिसमें चौकों-छक्कों की बरसात रही। उनके साथ ऋतुराज शर्मा ने भी 36 गेंदों में 60 रन बनाए। शुरूआत में अक्षय दुबे (44 रन) और स्वस्तिक चिकारा (19 रन) ने पारी को मजबूत आधार दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए कानपुर सुपरस्टार्स के शीर्ष क्रम ने निराश किया। इंजमाम हुसैन (4 रन) और आदर्श सिंह (1 रन) जल्दी पवेलियन लौट गए। कप्तान समीर रिजवी ने संघर्ष करते हुए 45 रन बनाए और प्रियांशु गौतम ने 34 रनों का योगदान दिया, लेकिन टीम विशाल लक्ष्य के सामने टिक नहीं सकी। मेरठ के गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। विजय कुमार, कार्तिक त्यागी और यश गर्ग ने 2-2 विकेट झटके, जबकि जीशान अंसारी को एक सफलता मिली।

सबके जीवन में खुशहाली सरकार का संकल्प : सीएम योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

गोरखपुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को यहां गोरखनाथ मंदिर परिसर में जनता दर्शन के दौरान कई जिलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। मौके पर मौजूद अधिकारियों को इन समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने का निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सबके जीवन में खुशहाली लाने को संकल्पित है। किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया

कि किसी गरीब की जमीन पर यदि किसी ने कब्जा किया है तो तत्काल जमीन को कब्जा मुक्त कराने के साथ दबंगों को सबक सिखाया जाए। जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कानून सम्मत कड़ा एक्शन लिया जाए। सोमवार की सुबह जनता दर्शन का आयोजन गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर किया गया। यहां कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान विभिन्न जिलों से आए करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि सरकार किसी के साथ अन्याय नहीं होने देगी। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ मुख्यमंत्री योगी ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। जनता दर्शन में एक महिला ने दबंग द्वारा जमीन कब्जा किए जाने की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद प्रशासन व पुलिस के अफसरों को निर्देशित किया कि जमीन कब्जा की शिकायत पर त्वरित एक्शन लिया जाए। गरीब की जमीन कब्जामुक्त होनी चाहिए। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी दबंग किसी की जमीन पर कब्जा न करने पाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में हर बार की तरह कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार करते हुए उसकी मदद की जाए।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने किया आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण, बच्चों के भविष्य को संवारने पर जोर

एजेंसी

जयपुर : उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सोमवार को राजसमंद जिले के प्रवास के दौरान कुंभलगढ़ विधानसभा क्षेत्र के भोप जी की भागल गांव में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। उनका यह दौरा बच्चों को दी जा रही सुविधाओं, पोषण, स्वच्छता, शिक्षण गतिविधियों और केंद्र के बुनियादी ढांचे की स्थिति का जायजा लेने के उद्देश्य से किया गया था। उपमुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान बच्चों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन, शैक्षणिक सामग्री और खेल-कूद की सुविधाओं का बारीकी से मूल्यांकन किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों के साथ कुछ पल बिताए और बड़े ही आनंद से उनसे कविताएं सुनी और बात की। बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक अपनी कविताएं सुनाईं। उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि बच्चों को पोषण युक्त भोजन दिया जा रहा है और स्वच्छता पर विशेष

ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने केंद्र के कामकाज की सराहना की और कार्यकताओं को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों और आंगनबाड़ी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने बच्चों के समग्र विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित करने के महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि हर बच्चे को प्रारंभिक शिक्षा और पोषण युक्त वातावरण मिलना चाहिए, क्योंकि यही उनके उज्ज्वल और सशक्त भविष्य की नींव रखता है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की मंशा स्पष्ट है कि कोई भी बच्चा सुविधाओं से वंचित न रहे। आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के प्रारंभिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, और हमें यह सुनिश्चित करना है कि वे इस भूमिका को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाएं। उन्होंने आगे कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि बच्चों को शुरूआती वर्षों में ही ऐसा वातावरण मिले, जिससे उनका शारीरिक और मानसिक विकास सर्वोत्तम हो सके।

भारत में कैलोरी पर ध्यान देने वालों के लिए ORSL® ZERO इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली : अगस्त – भारत के नंबर-1 इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक ब्रांड ORSL® ZERO (औरसल) ने अपने हाइड्रेशन प्रोडक्ट्स में एक नया पेय शामिल किया है। कंपनी ने ORSL® ZERO पेश किया है, जिसमें जीरो ऐडेड शुगर है और इसमें असली आम का गूदा डाला गया है। यह पेय सेहत और स्वाद दोनों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। ORSL® ZERO मैंगो इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक में तीन जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स, असली आम का गूदा और जीरो ऐडेड शुगर है। इसमें मौजूद कैलोरी केवल आम के गूदे में पाई जाने वाली प्राकृतिक शक्कर से आती है। यह उन लोगों के लिए सही है जो कैलोरी कम लेना चाहते हैं या चीनी से परहेज करते हैं। यह ड्रिंक लो-कार्ब या कीटो डाइट लेने वालों, इंटरमिटेंट फास्टिंग करने वालों और रोज वर्कआउट करने वालों के लिए भी फायदेमंद

है। ऐसे लोग अक्सर इलेक्ट्रोलाइट की कमी या डिहाइड्रेशन का शिकार हो सकते हैं, और यह ड्रिंक उन्हें स्वाद के साथ जरूरी इलेक्ट्रोलाइट भी देता है। केंव्यू इंडिया के बिजनेस हेड -सेल्फ-केयर, प्रशांत शिंदे ने कहा, पिछले कुछ सालों में हेल्थ और वेलनेस को लेकर लोगों की रुचि बढ़ी है। ORSL® ZERO मैंगो के साथ हम उपभोक्ताओं को ऐसा विकल्प दे रहे हैं जो रिहाइड्रेशन के साथ आम का स्वाद भी देता है, वह भी बिना ऐडेड शुगर के। केंव्यू के सीनियर आर एंड डी डायरेक्टर नागराजन रामासुब्रमण्यम ने कहा, नॉन-डायरियल डिहाइड्रेशन को लोग अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि यह ऊर्जा, सोचने की क्षमता और रिकवरी को प्रभावित कर सकता है। ORSL® ZERO मैंगो को खास तौर पर फ्लूड और इलेक्ट्रोलाइट के सही संतुलन के साथ बनाया गया है, ताकि यह कम कैलोरी लेने वालों के लिए भी सही विकल्प हो।

ORSL® ZERO मैंगो इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक जल्द ही दवा की दुकानों, सेल्फ-सर्विस स्टोर्स और ऑनलाइन क्विक डिलीवरी प्लेटफॉर्म्स पर मिलेगा। कंपनी का कहना है कि यह लॉन्च रोजमर्रा की सेहत और देखभाल को और आसान और बेहतर बनाने की दिशा में एक अहम कदम है।

आरएसएस नहीं होता तो देश न जाने कितने हिस्से में बंटता : केशव प्रसाद

एजेंसी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस पार्टी को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कांग्रेस ने बहुत पाप किया है। उप मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर लिखा ?कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अगर नहीं होता, तो पता नहीं कांग्रेस राज में देश न जाने कितने हिस्से में बंटता। आजादी के बाद देश को एकजुट रहने में संघ की शाखाओं ने उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोये रखने का पावन कार्य किया है। गांधी परिवार को सत्ता में बनाए रखने के लिए कांग्रेस ने इतने पाप किए हैं कि जनता ने उसकी 'कलई' खोलकर दयनीय दशा में पहुंचा दिया है।

विदित हो कि 15 अगस्त के

दिन लाल किले की प्राचीर से अपने भाषण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्षों की यात्रा का जिक्र करते हुए उसके कार्यों की सराहना की थी। इसके बाद कांग्रेस पार्टी के कई नेताओं ने प्रधानमंत्री द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर संघ का नाम लेने पर एतराज जताया था।

वाराणसी में बाढ़ का पानी उतरने के बाद स्वच्छता के लिए नमामि गंगे और नगर निगम ने कसी कमर

संयुक्त प्रयास से दशाश्वमेध घाट पर चला स्वच्छता अभियान

एजेंसी

वाराणसी : उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में गंगा और उसकी सहायक नदियों में आई बाढ़ का पानी उतरने के बाद गंगा घाटों पर जमा कीचड़ और गाद की सफाई के लिए नगर निगम के साथ नमामि गंगे ने भी कमर कस लिया है। सोमवार को दशाश्वमेध घाट पर बाढ़ के बाद की बदहाल स्थिति को सुधारने के लिए स्वच्छता अभियान चलाया गया। नगर निगम के कर्मियों के साथ नमामि गंगे के स्वयंसेवकों ने मिलकर घाट पर सफाई अभियान में भागीदारी की। इस दौरान गंगा नदी में बह रहे पूजा सामग्री और बाढ़ के अवशिष्ट को बाहर निकला गया। स्वच्छता अभियान के तहत

घाट पर एक टन से अधिक कचरा गंगा से बाहर निकला गया। अभियान में शामिल होने के आह्वान पर घाट पर उपस्थित नगरवासियों ने भी स्वच्छता में हाथ बंटाया और सहयोग किया। स्वयंसेवकों ने गंगा सफाई के महत्व को लेकर लोगों को जागरुक भी किया। नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला ने बताया कि बाढ़ के बाद गंगा की तलहटी और सतही जल में कई प्रकार की वस्तुएं आ जाती हैं, जिनसे गंगाजल प्रदूषित होता है। उन्होंने कहा कि गंगा घाटों पर फैली सिल्ट और अन्य अवशिष्टों की सफाई जरूरी है, ताकि गंगा घाट स्वच्छ रहें और पर्यटकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। श्रमदान में नगर निगम के सुपरवाइजर कामेश्वर सेठ, स्वच्छता कर्मचारी दिनेश चौधरी, गोपाल साहनी, सेवी भारती, सुनील कुमार, रेखा, महेंद्र साहनी, अनीता वर्मा, मोहन ने भागीदारी की।

हरे निशान पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 1020 अंक उछला

नई दिल्ली : हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार हरे निशान पर खुला। शुरूआती कारोबार में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 1,020.88 अंक यानी 1.27 फीसदी की उछाल के साथ 81,618.53 के स्?तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 356.00 अंक यानी 1.45 फीसदी की तेजी के साथ 24,987.30 अंक पर ट्रेंड कर रहा है। सेंसेक्स के 30 में से 25 शेयरों में तेजी और 5 शेयरों में गिरावट है। मारुति सुजुकी के शेयर में 7.5 फीसदी और बजाजा फाइनेंस के शेयर में 6 फीसदी की तेजी देखने को मिल रही है। वहीं, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व, एमएंडएम के शेयर में पांच फीसदी की उछाल है। इसी तरह निफ्टी के 50 में से 45 शेयरों में तेजी है। एनएसई के सभी इंडेक्स में बढ़त है।

उत्तराखंड में बारिश का कहर, रुद्रप्रयाग में भूस्खलन से मद्महेश्वर यात्रा रुकी, गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग बंद

एजेंसी

देहरादून : उत्तराखंड के कुछ स्थानों पर रूक-रूक कर बारिश हो रही है। बारिश का यह दौर 20 अगस्त तक चलने का अनुमान है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार सोमवार को पौड़ी, बागेश्वर, पिथौरागढ़ व नैनीताल जिले में कहीं- कहीं भारी वर्षा की संभावना है। शेष जिलों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ आकाशीय बिजली चमकने व तेज बारिश की संभावना है। लगातार बारिश से राज्य की प्रमुख नदियों का

जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने सभी जिलों को सर्तक रहने के निर्देश जारी किए हैं।

मद्महेश्वर पैदल मार्ग क्षतिग्रस्त, यात्रा रुकी

रुद्रप्रयाग में मूसलाधार बारिश से मद्महेश्वर यात्रा रोक दी गई है। यहां जाने का पैदल मार्ग बणतोली के पास 40 मीटर का हिस्सा ध्वस्त हो गया है, जिससे आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई। इस दौरान फंसे 153 यात्रियों को एसडीआरएफ और जिला आपदा प्रबंधन दल ने रस्सियों के सहारे सुरक्षित रेस्क्यू कर गौंडार गांव पहुंचाया। विधायक आशा नौटियाल ने लोक निर्माण विभाग को तीन दिन के भीतर वैकल्पिक मार्ग तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि मोरकुंड़ा नदी पर 90 मीटर लंबे झूला पुल के निर्माण को शासन से स्वीकृति मिल चुकी है। वर्ष 2023 में यहां बना स्टील गार्डर पुल अतिवृष्टि में ध्वस्त हो गया था, जिसके बाद से यात्रा अस्थायी व्यवस्थाओं के सहारे संचालित हो रही हैं।

गंगोत्री राष्ट्रीय खोलने में जुटा प्रशासन

उत्तरकाशी में आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य लगातार चल रहे हैं। खराब मौसम और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद राहतकर्मी पूरी ऊर्जा के साथ काम कर रहे हैं। राहत दल ने कल भागीरथी नदी में राफ्ट उतारकर घरेलू गैस सिलेंडर और अन्य आवश्यक सामग्री नदी पार पहुंचाई, जिसे बाद में प्रभावित गांवों तक भेजा गया। वहीं, धराली समेत अन्य सीमांत गांवों में खाद्यान्न वितरण भी किया गया। जिला प्रशासन ने कहा कि प्रत्येक प्रभावित परिवार तक समय पर राहत सामग्री पहुंचाना उसकी प्राथमिकता है। लगातार आपूर्ति से स्थानीय निवासियों को बड़ी राहत मिल रही है।

न्यूज IN ब्रीफ

बलरामपुर : नशे में टल्ली होकर अस्पताल पहुंचा शिक्षक, चिकित्सकों को गाली गलौज कर दी जान से मारने की धमकी, गिरफ्तार

बलरामपुर : बलरामपुर जिले में इन दिनों शराबी शिक्षकों का बोल बाला है। कभी शराब पीकर छात्राओं के साथ टीचर का थिरकते हुए वीडियो वायरल होता है तो कभी नशे में शिक्षक निक्कर में ही स्कूल पहुंचकर पढ़ाने लग जाते हैं। ऐसा ही एक और वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हुआ। वीडियो में शराब के नशे मस्त होकर आरोपित टीचर शंकरगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचा जहां उसने उपस्थित चिकित्सकों के साथ अभद्र व्यवहार किया साथ ही गाली गलौज और जान से मारने तक की धमकी दे डाली। फिलहाल पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई करते हुए आरोपित शिक्षक को जेल दाखिल कर दिया है। पुलिस के द्वारा सोमवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार, शंकरगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक डॉक्टर आफताब अंसारी (38 वर्ष) ने शंकरगढ़ थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में उन्होंने बताया कि, स्वतंत्रता दिवस की शाम करीब 7.30 बजे जशपुर जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक प्रबोध एक्का (40 वर्ष) शराब के नशे धुत होकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचा। जहां उसने ड्यूटी में तैनात चिकित्सकों और अन्य स्टाफ के साथ अभद्र व्यवहार कर गंदी गंदी गाली दी। इससे भी आरोपित का मन नहीं भरा तो उसने चिकित्सकों को बिन वजह जान से मारने की धमकी दे डाली। भयभीत होकर डॉक्टर आफताब ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही थाना शंकरगढ़ ने कार्रवाई शुरू की। और विभिन्न धाराओं के तहत मुकदम दर्ज कर आरोपित शिक्षक प्रबोध एक्का को आज सोमवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

कुत्ते को बचाने के चक्कर में गयी महिला दरोगा की जान

गाजियाबाद : गाजियाबाद उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के कवि नगर थाना क्षेत्र के शास्त्रीनगर में रविवार की देर रात ड्यूटी से लौट रही एक 25 वर्षीय महिला दरोगा की बुलट मोटरसाइकिल की कार कुत्ते से टकरा गयी। जिससे मोटरसाइकिल नीचे गिर गयी, तभी पीछे से आती एक कार ने मोटसाइकिल में टक्कर मार दी। जिससे दरोगा के सिर में चोट लग गयी। अस्पताल में उपचार के दौरान महिला दरोगा की मौत हो हो गयी। अगले साल उनकी शादी होने वाली थी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और महिला दरोगा के परिजनों गाजियाबाद पहुंच चुकेहै। पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक कवि नगर थाने की शास्त्री नगर पुलिस चौकी पर तैनात दरोगा ऋचा सचान रात को करीब 2:00 बजे अपनी बुलट मोटरसाइकिल से ड्यूटी पूरी करके वापस आवास जा रही थी। जब वह कार्टे चौक पर पहुंची तो उनके सामने अचानक एक कुत्ता आ गया । कुत्ते से टकराकर मोटरसाइकिल गिर गयी, तभी पीछे से एक कार ने उन्हें टक्कर मार दी। जिसके बाद वह गम्भीर रूप से घायल हो गयी। ऋचा सचान को सर्वोदय अस्पताल में ले जाया गया जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। ऋचा मूल रूप से कानपुर के रहने वाली थी,उनके पिता का नाम रामबाबू सचान था। और 2023 में उन्होंने पुलिस विभाग में नौकरी शुरू की। एसीपी भाष्कर वर्मा कविनगर के मुताबिक ऋचा सचान के परिजनों को सूचना दे दी गई है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। साथ ही कार चालक की तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि जिस वक्त यह घटना हुई ऋचा सचान में हेलमेट पहना हुआ था लेकिन उनको चोट काफी गंभीर लगी जो उनके मौत का कारण बनी।

भारतीय विदेश सचिव की मधेशी नेताओं के साथ मुलाकात के बाद होगी दिल्ली वापसी

काठमांडू : दो दिनों के नेपाल दौरे पर आए भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री की राजनीतिक मुलाकातों का दौरा सोमवार को दूसरे दिन भी जारी है। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को भारत भ्रमण का औपचारिक निमंत्रण देने आए भारत के विदेश सचिव अपने दो दिवसीय यात्रा के आखिरी में आज मधेशी मोर्चा के प्रमुख नेताओं के साथ लंच मीटिंग पर मुलाकात करने वाले हैं। भारतीय विदेश सचिव की यह मुलाकात काफी अहम मानी जा रही है। काठमांडू के द्वारिका होटल में इन नेताओं के साथ मधेश के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। मधेशी मोर्चा के नेताओं के साथ बैठक के बाद भारतीय विदेश सचिव दोपहर 2:30 बजे भारतीय वायुसेना के विशेष विमान से दिल्ली लौटेंगे। इससे पहले आज सुबह ही भारतीय विदेश सचिव ने पशुपतिनाथ मंदिर में विशेष पूजा और रुद्राभिषेक किया। मधेश केंद्रित राजनीति करने वाले प्रमुख नेता महंत ठाकुर, राजेन्द्र महतो, हृदयेश त्रिपाठी, उपेन्द्र यादव, डॉ सीके राउत और रेशम चौधरी को इस मुलाकात के लिए आमंत्रित किया गया है। इन सभी नेताओं ने संयुक्त लोकतांत्रिक मधेशी मोर्चा का गठन किया है। मधेशी मोर्चा के प्रतिनिधि सभा में 26 सांसद हैं। मोर्चा के नेता त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय विदेश सचिव के साथ मिलकर मोर्चा को भारत के तरफ से दिए जा रहे उनके नैतिक समर्थन के लिए धन्यवाद ज्ञापन किया जाएगा।

उम्मीद जगी है, घुघरौना बाबा को जल्द मिलेगा उनका स्थान - पार्षद इंद्रेश

वाराणसी : वाराणसी में पार्षद इंद्रेश के संघर्ष के बाद घुघरौना बाबा को जल्द उनका स्थान मिलने की उम्मीद जगी है। वार्ड 69 आदिविशेश्वर के घुघरानी गली के मकान नम्बर, सीके 40/44 जो निगम के राजस्व के रिकार्ड में बतौर जनता कूप करमुक्त दर्ज है, किन्तु मौके पर कुआँ गायब है। उक्त कुआँ केवल कुआँ नहीं है अपितु यह घुघरौना बाबा का स्थान भी है। जिनके नाम पर वाराणसी की प्रसिद्ध घुघरानी गली का नाम पड़ा है। पार्षद इंद्रेश जिन्होंने वाराणसी में हिंदुत्व के एजेंडे पर कई बार संघर्ष किया है। घुघरौना बाबा के स्थान के संबंध में उन्होंने हिंदुस्थान समाचार को बताया कि घुघरौना बाबा जो घुघरानी गली के डीह बाबा है, किन्तु पिछली सरकारों में ध्यान न देने के कारण व उनकी तुष्टिकरण की नीति के कारण कुछ लोगो ने इस स्थान पर कब्जा कर लिया। पौराणिक स्थान पर कब्जा ही नहीं हुआ, वहां मकान भी बन गया। नगर निगम की बैठक में महापौर अशोक ने मेरे द्वारा पूछे गए प्रश्न पर आदेश जारी करते हुए एक सप्ताह के अंदर उक्त प्रकरण की जांच कर दूध का दूध व पानी का पानी अर्थात जो सही है, उसको पता लगाने को कहा हैं। पार्षद इंद्रेश ने कहा कि वाराणसी में पौराणिक स्थल अथवा देव स्थानों को कब्जा करने की यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी ऐसी घटना हुई है, जब मुझे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संघर्ष करना पड़ा है। घुघरौना बाबा के लिए भी मिनी सदन से सड़क तक संघर्ष किया जाएगा।

न्यूज IN ब्रीफ

निरंजन अग्रवाल अध्यक्ष पद पर विजयी

संवाददाता : पश्चिमी सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सत्र 2025-27 के लिए मतदान एवं मतगणना आज दिनांक 17 अगस्त 2025 को संपन्न हुई। इस मतदान में अध्यक्ष पद में निरंजन अग्रवाल (नीरू भैया) अध्यक्ष पद पर विजयी हुए। उपाध्यक्ष पद पर गौरव मूंधड़ा एवं छोटे लाल तमसोय, चक्रधरपुर अनुमंडलीय उपाध्यक्ष पद पर अजय कुमार शर्मा, महासचिव पद पर श्री आयुष दोदराजका एवं सहसचिव पद पर मोहित सुल्तानिया एवं प्रमोद खिरवाल जी ने विजय प्राप्त किया ।

बिरसानगर में मिनी शराब फैक्ट्री का खुलासा, भारी मात्रा में नकली शराब बरामद

जमशेदपुर : आबकारी विभाग ने सोमवार सुबह बिरसानगर के हुरलुंग में छापेमारी कर मिनी शराब फैक्ट्री का खुलासा की है। मौके से भरी मात्रा में नकली शराब और शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाले स्प्रिट, कैरेमल, खाली बोतलें, ढक्कन समेत स्टीकर बरामद किए गए है। जानकारी के अनुसार इस अवैध फैक्टरी को जितेंद्र यादव और कल्लू सिंह द्वारा संचालित किया जा रहा था। मौके से किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। फिलहाल मौके से जब्त सामनों को आबकारी विभाग के कार्यालय लाया गया है जहां मामले की जांच की जा रही है।

पलामू में तैयार हुआ हाईटेक कंट्रोल रूम, 130 से ज्यादा इलाकों में लगाए गए सीसीटीवी कैमरे

पलामू: जिले में अपराध और नक्सलवाद से निपटने के लिए हाईटेक कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है. पूरे कंट्रोल रूम में पुलिस को जिले की पल-पल की जानकारी मिलेगी और यहीं से मॉनिटरिंग की जाएगी. पलामू एसपी कार्यालय के ऊपरी तल पर यह हाईटेक कंट्रोल रूम बनाया गया है, जहां विशेष रूप से प्रशिक्षित जवान और अधिकारी तैनात किए जा रहे हैं.

एसपी रीष्मा रमेशन खुद इस हाईटेक कंट्रोल रूम की मॉनिटरिंग कर रही हैं. दरअसल, मेदिनीनगर पलामू प्रमंडल का सबसे बड़ा शहरी क्षेत्र है. इस शहरी क्षेत्र की आबादी करीब ढाई लाख है. पूरे इलाके में 130 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं जो हाई रेजोल्यूशन वाले हैं. सभी कैमरों का कंट्रोल रूम हाईटेक कंट्रोल रूम में मौजूद रहेगा. इंटर स्टेट बॉर्डर एवं इंटर डिस्ट्रिक्ट बॉर्डर पर लगे सीसीटीवी कैमरों की भी हाईटेक कंट्रोल रूम से मॉनिटरिंग की जाएगी.

एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि पहले से ही एक कंट्रोल रूम है. लेकिन अब एक हाईटेक कंट्रोल रूम बनाया गया है. सीसीटीवी के माध्यम से पलामू के शहरी क्षेत्र को कवर किया गया है. जिला प्रशासन की मदद से कंट्रोल रूम तैयार किया गया है. सिंगल स्क्रीन पर सारे कुछ उपलब्ध हो गए हैं और हर चीज को अपग्रेड किया जा रहा है. कंट्रोल रूम में इंडिविजुअल सिस्टम दिया जाएगा और पुलिस कर्मियों की तैनाती की जाएगी. हाइ टेक कंट्रोल रूम में 112 और यूनिफाइड सिस्टम भी मौजूद रहेगा.

हीरापुर बिजली ऑफिस के पास हुए हादसे में घायल की मौत

धनबाद : हीरापुर बिजली ऑफिस के पास तीन अगस्त को दोपहर एक बजे बेकारबांध निवासी 52 वर्षीय लाल मोहन प्रसाद सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे। इलाज के दौरान 16 अगस्त की देर रात उनकी मौत हो गई। रविवार को इस मामले में धनबाद थाना में एफआईआर दर्ज की गई। मृतक के पुत्र गोपाल कृष्ण वर्मा ने मामले में शिकायत करते हुए वाहन संख्या जेएच10सीबी-4975 पर लापरवाही से वाहन चलाते हुए धक्का मारने का आरोप लगाया। गोपाल ने बताया कि दुर्घटना के बाद पिता को पहले एसएनएमएमसीएच ले गए, जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए कोलकाता ले जाया गया। 13 अगस्त को इलाज के बाद वापस लौट आए थे। इसी बीच 16 अगस्त की रात अचानक पिता की तबीयत बिगड़ी और उनकी मौत हो गई।

बढ़ते शहरीकरण के दौर में सिस्मिक हैजर्ड स्टडीज जरूरी: प्रो. उतपाल दत्ता

धनबाद : यूएसए एंकोरेज के यूनिवर्सिटी ऑफ अलास्का के प्रो. उतपाल दत्ता ने कहा कि बढ़ते शहरीकरण और तीव्र इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के दौर में सिस्मिक हैजर्ड स्टडीज अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने इस दिशा में आईआईटी आईएसएम के प्रयासों की सराहना की। प्रो. दत्ता रविवार को आईआईटी आईएसएम के एप्लाइड जियोफिजिक्स विभाग में आयोजित ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ एकेडमिक नेटवर्क्स (जीआईएएन) कोर्स इंजीनियरिंग सिस्मोलॉजी के समापन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। समारोह संस्थान के एग्जीक्यूटिव डेवलपमेंट सेंटर (ईडीसी) लाउंज में आयोजित किया गया। 5 अगस्त से चल रहे इस कोर्स में देश-विदेश के विशेषज्ञों ने भूकंप और भूकंपीय जोखिम से जुड़े अहम विषयों पर व्याख्यान दिया। कोर्स के दौरान यूएसए एंकोरेज के यूनिवर्सिटी ऑफ अलास्का के प्रो. उत्पल दत्ता और आईआईटी आईएसएम के प्रो. मोहित अग्रवाल ने छात्रों व शोधार्थियों को भूकंप स्रोत की पहचान, ग्राउंड मोशन एनालिसिस, सरफेस वेव मेथड्स, सिस्मिक माइक्रोजोनेशन और प्रॉबेबिलिस्टिक सिस्मिक हैजर्ड असेसमेंट आदि की विस्तृत जानकारी दी। प्रतिभागियों को लेक्चर के साथ-साथ प्रायोगिक अनुभव भी दिए गए। समारोह में डीन इंफ्रास्ट्रक्चर प्रो. एआर दीक्षित, एप्लाइड जियोफिजिक्स विभाग के हेड प्रो सौमेन मैती और इंटरनेशनल रिलेशंस व एल्युमिनाई अफेयर्स के एसोसिएट प्रोफेसर एवं प्रोफेसर इंचार्ज प्रो. सौरभ दत्ता गुप्ता भी मौजूद थे।

एमजीएम में उमड़ी मरीजों की भीड़

जमशेदपुर : स्वतंत्रता दिवस कृष्ण जन्माष्टमी रविवार की छुट्टी आदि छुट्टियों के बाद सोमवार को एमजीएम अस्पताल में मरीजों की संख्या काफी बढ़ गई। दोपहर तक में भी 700 से अधिक मरीज दिखाने के लिए ओपीडी में पहुंचे। दूसरी पाली में भी मरीजों की संख्या काफी अधिक होने का अनुमान है। रजिस्ट्रेशन करने वाले कर्मचारियों ने बताया कि पिछले दिनों लगातार होने वाले पर्वों के कारण यह संख्या काफी कम थी और लोग यह समझकर अस्पताल नहीं आ रहे थे की छुट्टी होगी। लेकिन सोमवार से एक बार फिर से अस्पताल में भीड़ उमड़ पड़ी है। इस तरह की भीड़ अगले दो-तीन दिनों तक रहते का अनुमान है।

देवघर एम्स के चिकित्सक टीबी मरीजों को ले रहे हैं गोद

संवाददाता

देवघर: झारखंड से ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) जैसी खतरनाक बीमारी को जड़ से समाप्त करने की कोशिश जारी है. इन्हीं प्रयासों के चलते झारखंड सरकार और केंद्र सरकार मिलकर इस पर काम कर रही है. झारखंड में टीबी मरीजों को चिन्हित कर उन्हें बेहतर इलाज और स्वास्थ्य सुविधाएं दी जा रही है. ताकि झारखंड से टीवी को पूरी तरह से खत्म किया जा सके.

संथाल क्षेत्र में टीबी के मरीजों की संख्या अच्छी खासी

कुपोषण, गरीबी और सीमित स्वास्थ्य सेवा को लेकर झारखंड के संथाल क्षेत्र में टीबी के मरीज गांव-गांव में पाए जाते हैं. हालांकि टीवी के मरीजों की सटीक संख्या अभी तक जिला स्वास्थ्य विभाग के तरफ से जारी नहीं की गई है. लेकिन संथाल क्षेत्र के सभी जिलों में टीबी के मरीज पाए जाते हैं.

टीबी मरीजों को गोद ले रहे हैं डॉक्टर

इसी को देखते हुए देवघर जिले में टीबी के मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देने के लिए, एम्स अस्पताल के द्वारा एक बेहतर पहल की जा रही है. टीबी के मरीजों को अच्छे पोषण के साथ साथ, सारी दवाइयां उपलब्ध कराने के लिए देवघर एम्स के डॉक्टर, टीबी मरीजों को गोद ले रहे हैं. देवघर एम्स के निदेशक डॉक्टर सौरव वार्ष्णेय से मिली जानकारी के अनुसार एम्स के बीस डॉक्टरों ने देवीपुर क्षेत्र में रहने वाले टीबी के मरीज को गोद लिया है.

टीबी मरीजों के लिए अपनी जेब से पैसे खर्च करते हैं डॉक्टर

डॉक्टर सौरव वार्ष्णेय ने बताया कि संथाल क्षेत्र और देवघर जिले में गरीबी भी चरम पर है. ऐसे में गरीबी के साथ साथ जो मरीज टीबी से ग्रसित हैं, उन्हें न्यूट्रिएंट्स

फूड नहीं मिल पाता है. इसलिए गरीब मरीज को पोषक तत्व से युक्त भोजन उपलब्ध कराने के लिए डॉक्टर अपनी जेब से पैसे खर्च करते हैं और मरीजों को किस प्रकार दवाई खाना है, इसका भी विशेष ध्यान रखते हैं.

टीबी के प्रति जागरूक अभियान को विस्तार देने की जरुरत

एम्स के साथ-साथ जिला स्वास्थ्य विभाग की तरफ से भी समय-समय पर जागरूकता अभियान चलाकर टीबी के प्रति लोगों को जागरूक किया जाता है. सारे सरकारी अस्पतालों में टीबी से जुड़ी दवाओं की समय-समय पर निगरानी की जाती है. वही जिला स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों से मिले आंकड़ों के अनुसार गोड्डा और देवघर जिले में करीब दो हजार से ज्यादा मरीज टीबी जैसी बीमारी से ग्रसित हैं. ऐसे में देवघर जिला स्वास्थ्य विभाग के द्वारा समय-समय पर लोगों के बीच दवाइयां का वितरण किया जाता है और यह भी निरीक्षण किया जाता है कि लोग दवाई समय पर ले रहे हैं अथवा लापरवाही बरत रहे हैं.

मरीजों के लिए फ्री में दवाइयां उपलब्ध

गौरतलब है कि झारखंड में टीबी से ग्रसित मरीजों को इलाज के लिए भारत सरकार और राज्य सरकार की तरफ से कई योजनाओं का लाभ भी दिया जाता है. टीबी के मरीजों को अच्छा भोजन करने के लिए डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से पांच सौ रुपये प्रतिमाह दिए जाते हैं. इसके अलावा झारखंड सरकार की तरफ से सभी स्वास्थ्य केंद्रों एवं उप केंद्रों पर मरीज के लिए मुफ्त में दवा भी उपलब्ध कराई जाती है.

इन सभी सुविधाओं के बीच एम्स प्रबंधन की तरफ से टीबी के मरीजों के लिए शुरू की यह पहल कहीं ना कहीं टीवी के मरीजों को राहत महसूस करवा रही है. अब देखने वाली बात यह होगी कि एम्स के द्वारा शुरू की गई इस पहल से देवघर जिले के कितने मरीज टीबी की बीमारी से मुक्त हो पाते हैं.

उपकरणों की कमी से जूझ रहा है एमआरएमसीएच का ईएनटी विभाग

संवाददाता

मेदिनीनगर : पलामू प्रमंडल के सबसे बड़े अस्पताल मेदिनीय मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमआरएमसीएच) का ईएनटी विभाग उपकरणों की कमी से जूझ रहा है । संचालित ओपीडी में केवल कुर्सी और डेस्क मौजूद है बाकी मरीजों के नाक , कान, गला आदि की जांच के लिए ऑटोस्कोप , बुलेन आई,जैसे छोटे उपकरण तक मौजूद नहीं है। हालांकि कुछ दिन पूर्व सभी विभागाध्यक्ष को 5 लाख रुपए आवंटित किए गए है ।इससे छोटी उपकरणों की समस्या से निजात मिलने की उम्मीद है ।उपकरणों के नियमित सफाई के लिए सपोर्टिंग स्टाफ तक नहीं है जिसके कारण मरीजों का बेहतर जांच संभव नहीं हो पाता है।

फिलवक्त ईएनटी विभाग में प्रतिदिन 70-80 मरीज ईलाज के लिए एमआरएमसीएच पहुंचते है ।इन मरीजों में शहर से लेकर सुदूरवर्ती क्षेत्र के ग्रामीण मरीज भी शामिल है। हालांकि मेडिकल कॉलेज के स्थापना के पूर्व ईएनटी एक अलग विभाग नहीं था । मेडिसिन के डॉक्टर ही इनका ईलाज सुनिश्चित करते थे। बुनियादी सुविधाओं के बहाल करने पर अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि बहुत जल्द आगामी प्रबंधन की बैठक में सभी विभागों के उपकरणों की उपलब्धता पर चर्चा की जाएगी और संबंधित विभाग को दे दिया जायेगा। अभी सभी विभागाध्यक्ष को विभाग के बेहतर संचालन के लिए राशि आवंटित की गई है। साथ ही उपकरणों की सफाई के लिए वार्ड अटेंडेंट उत्तरदायी है ।अगर वे कार्य को ठीक से नहीं करते है तो विभागाध्यक्ष इसकी शिकायत अधीक्षक से अवश्य करें। एमआरएमसीएच के ईएनटी विभागाध्यक्ष डॉ अभिनव मिंज ने बताया कि मौसम के अनुरूप ईएनटी में अलग अलग बीमारी से ग्रसित मरीज अस्पताल आते है। अभी बरसात के मौसम में कान बहना, नाक बहना और संक्रमण के मरीज, गर्मी में नाक से खून बहना वहीं ठंडे दिनों में सर्दी, छींक आदि के मरीज बड़ी संख्या में आते है । हाल के दिनों में हियरिंग लॉस (सुनने की क्षमता कम होना) के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। आज के युवा ब्ल्यूटूथ, हेडफोन आदि के अत्यधिक उपयोग करने से तेजी से हियरिंग लॉस के चपेट में आ रहे है। जो कि गंभीर चिंता का विषय है। डॉ अभिनव मिंज ने कहा कि वर्तमान में विभाग में एक सीनियर रेजिडेंट,एक मेडिकल ऑफिसर, और एक डॉक्टर के भरोसे चल रहा है ।जबकि यहां न्यूनतम रूप से एक प्रोफेसर,एक एसोसिएट प्रोफेसर, एक असिस्टेंट प्रोफेसर,और एक सीनियर रेजिडेंट होने चाहिए थे। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज को लेटर ऑफ परमिशन (एलओपी) जारी कर कुछ शर्तों के साथ कुछ महीनों के अंदर सभी मानकों को पूरा करने का निर्देश दिया है ।मगर कॉलेज प्रबंधन अबतक इस दिशा में गतिशील नहीं दिखाई दे रहा है। एमआरएमसीएच में मौजूद डॉक्टर भी बोर्ड मीटिंग, सहित अनेक कार्यों के कारण विभिन्न मेडिकल कॉलेज का दौरा करते है जिसके कारण ओपीडी बेहद प्रभावित होता है।

यूरिया खाद नही मिलने से किसान परेशान

पाटन : यूरिया खाद नही मिलने से किसान भारी परेशानी एवं हताशा में खाद के लिए भटक रहे है। दूसरी तरफ यूरिया खाद की किल्लत बताकर फैक्स / खाद दुकानदार खाद की कालाबजारी मनमानी दर पर 500 से 550 रुपये प्रति बोरा (45 केजी) बिक्री चुपके से कर रहे है। आम किसानों को यूरिया खाद नही मिल रहा है। पाटन, किशुनपुर, नावाजयपुर आदि ब्यवसायिक प्रतिष्ठानो तथा फैक्स दुकानों पर यूरिया खाद के लिये भटक रहे दर्जनो किसानों ने बताया की धान की रोपाई किये 20 से 25 दिन से अधिक हो चुके है । धान फसल में यूरिया डालने का समय है। बलराम उपाध्याय अकरहा, नयन दुबे पकरी, राजकिशोर मेहता, अनिल मेहता कांकेकला, संजय राम, बिनोद राम सहदेवा, नवल राम नावा, विजय पाल किसैनी आदि दर्जनो किसानों ने बताया की यूरिया की किल्लत प्रायः प्रत्येक वर्ष सीजन में कृत्रिम कमी बताकर अधिक कीमतों पर बिक्री होती रही है। किसानों को कोई सुनने वाला नही है। जिला के सभी पदाधिकारी को मालूम है की यूरिया की किल्लत एवं कालाबजारी बताकर अधिक दामों पर बिक्री हो रहा है। कुछ खाद विक्रेताओं ने बताया की यूरिया मिला ही नही है। बिहार एवं अन्य जगहों से मंगाकर बेच रहे है। इसलिए दाम ज्यादा तो पड़ेगा ही। जिला कृषि पदाधिकारी दीपक वर्मा ने बताया है की बर्तमान में पूरे जिले किसानों की यूरिया की माँग अधिक है। 25 हजार टन यूरिया की माँग किया गया है। मात्र अभी तक पूरे सात हजार टन यूरिया आया है। जिसे जिले के सभी फैक्स, एवं खाद दुकानदारों को आबंटित कर दिया गया है।एक सप्ताह के अंदर यूरिया की रैक आया जाएगा। यूरिया खाद की किल्लत खत्म हो जाएगा तथा उचित दर पर किसानों को मिलने लगेगा।

पलामू डीआईजी नौशाद आलम ने मंत्री हाफिजुल हसन अंसारी से की मुलाकात

उनके जल्द स्वास्थ्य होने का खुदा से दुआ की

सुरक्षा, विकास व सामाजिक समरसता को लेकर कई अहम बिंदुओं पर हुआ विचार-विमर्श

संवाददाता

मेदिनीनगर : पलामू रेंज के डीआईजी नौशाद आलम ने आज झारखंड सरकार के कल्याण मंत्री हाफिजुल हसन अंसारी से शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात को न सिर्फ एक औपचारिक बैठक माना गया, बल्कि क्षेत्र की सुरक्षा, विकास और सामाजिक समरसता से जुड़े अहम मुद्दों पर सकारात्मक विमर्श का अवसर भी

बना।

डीआईजी आलम ने मंत्री से बातचीत में पलामू सहित रेंज के विभिन्न जिलों में कानून-व्यवस्था की स्थिति, आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण और पुलिस-प्रशासन की बेहतर तालमेल की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा की। वहीं मंत्री अंसारी ने क्षेत्र में शांति, सद्भाव और विकास की प्रक्रिया को और मजबूती देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

दोनों के बीच समाज के कमजोर तबकों के उत्थान, युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने और शिक्षा व रोजगार के अवसर बढ़ाने जैसे बिंदुओं पर भी चर्चा हुई। मंत्री ने आश्वस्त किया कि सरकार कल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए पुलिस-प्रशासन का सहयोग अहम है।

निकाय चुनाव के लिए बनी कमेटी

मेदिनीनगर : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने पलामू जिला में निकाय चुनावों के लिए जिला कमेटी का गठन किया है। जिसमें मेदिनीनगर नगर निगम सहित पांचों नगर क्षेत्र में नगर और वार्ड अध्यक्षों की चयन के लिए जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जैश रंजन पाठक को अध्यक्ष बनाया है। जिला अध्यक्ष जैश रंजन पाठक ने रविवार को मेदिनीनगर में बताया कि झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने रविवार को एक अधिसूचना जारी किया है जिसमें निकाय चुनाव के लिए पलामू जिला के पांचों नगर क्षेत्र में नगर और वार्ड अध्यक्षों के चयन के लिए कमेटी का गठन किया गया है। इसके अनुसार जिला के पांचों नगर कमेटी का अध्यक्ष जैश रंजन पाठक को बनाया गया है।

इसके अलावा विनय सिन्हा दीपू को सभी निकाय के लिए सदस्य बनाया गया है।

प्रेमिका के सामने प्रेमी की गला घोंटकर हत्या, रेलवे ट्रैक पर फेंका शव

पलामू : जिले में प्रेमिका के सामने प्रेमी की गला दबाकर हत्या कर दी गई। प्रेमिका चीखती रही, लेकिन किसी ने एक न सुनी। हत्या के बाद प्रेमी का शव रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया गया। पुलिस ने पूरे मामले में प्रेमिका के दादा, माता-पिता और भाई को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

दरअसल, जिले के सदर थाना क्षेत्र के जोगियाही में पुलिस ने शनिवार को रेलवे ट्रैक से एक युवक का शव बरामद किया था। युवक की पहचान सदर थाना क्षेत्र के सुआ के रहने वाले अमरेंद्र सिंह उर्फ बबलू सिंह के रूप में हुई थी। अमरेंद्र के परिजनों ने हत्या की आशंका जाहिर की थी। इस पूरे मामले में पुलिस ने अनुसंधान करते हुए हत्याकांड का खुलासा किया है।

पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि अमरेंद्र सिंह अपने प्रेमिका से मिलने के लिए सुआ गांव गया हुआ था। जहां प्रेमिका के परिजनों ने उसे पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। बाद में गला दबाकर हत्या कर दी गई। पुलिस को रेलवे ट्रैक से शव मिला। शव को देखकर दुर्घटना जैसा नहीं लग रहा है।

परिजनों ने प्रेमिका के सामने ही अमरेंद्र की हत्या कर दी। अमरेंद्र और लड़की के बीच पांच वर्षों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। लड़की की शादी कहीं और तय हो गई थी, इसके बावजूद वह अमरेंद्र के साथ बातचीत कर रही थी। इस प्रेम संबंध का परिजन विरोध कर रहे थे। पुलिस ने पूरे मामले में कार्रवाई करते हुए प्रेमिका के दादा योगेंद्र यादव, पिता राकेश यादव माता कलावती देवी और भाई वृक्ष यादव को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसंधान में सदर थाना प्रभारी लालजी, सब इंस्पेक्टर रंजीत कुमार, मनोज कुमार मुंडा, एएसआई नबी अंसारी शामिल थे।

गोलममुंडा रेलवे क्रॉसिंग से 19 को लोगों का आवागमन रहेगा बंद

जमशेदपुर : चक्रधरपुर मंडल के सोनुवा और लोटापहाड़ स्टेशन के बीच 19 अगस्त को लाइन ब्लॉक होगा। इससे दोनों स्टेशनों के बीच गोलममुंडा रेलवे क्रॉसिंग से लोगों काआवागमन बंद रहेगा। चक्रधरपुर रेल मंडल जनहित में यह यह आदेश दिया है और आसपास के स्टेशनों पर यह घोषणा की जा रही है। इधर, लोटापहाड़ के पास लाइन ब्लॉक को लेकर टाटानगर-राउरकेला मेमू ट्रेन 19 और 23 अगस्त को रद्द रहेगी। टाटानगर-इतवारी एक्सप्रेस 19, 23 और 26 अगस्त को नहीं चलेगी। वहीं, उत्कल एक्सप्रेस पुरी से 19 और 26 अगस्त, जबकि ऋषिकेश से 23 अगस्त को टाटानगर नहीं आकर बदले मार्ग से चलेगी।

गढ़वा में पुलिस टीम पर हमला, कई घायल

संवाददाता

गढ़वा : शहर से सटे गुरदी गांव में रविवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक पारिवारिक विवाद में बंधक बनाए गए लोगों को छुड़ाने गई पुलिस पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। इस झड़प में पुलिस कर्मियों सहित करीब एक दर्जन लोग घायल हो गए हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गुरदी गांव निवासी तकसीर खान की शादी वर्ष 2016 में मझिआंव थाना क्षेत्र के चंद्रपुरा गांव निवासी रकीबा खातून से हुई थी। शादी के कुछ साल बाद ही दंपति के बीच विवाद शुरू हो गया। मामला इतना बढ़ा कि बात न्यायालय तक पहुंच गई। हालांकि, कुछ समय बाद समझौते के बाद तकसीर फिर से रकीबा के पास आने-जाने लगा।

जानकारी देतीं घायल महिला और गढ़वा पुलिस मेंस एसोसिएशन के सचिव। (वीडियो-ईटीवी भारत)

पुलिस के अनुसार बीते शनिवार की रात तकसीर ने पत्नी रकीबा के साथ मारपीट की थी। घटना से आहत रकीबा ने इसकी जानकारी मायकेवालों को दी। इसके बाद

रविवार की सुबह रकीबा के पिता जाहिद आलम खान, भाई समीर खान, सैफ अली खान और मां सबील बीबी सहित परिवार के लोग गुरदी गांव पहुंचे। वे तकसीर और रकीबा के बीच विवाद को सुलझाने का प्रयास कर रहे थे।

इसी दौरान गांव के लोग वहां जमा हो गए और अचानक लड़की पक्ष पर हमला कर दिया। हालात बिगड़ता देख रकीबा और उसके परिजन किसी तरह जान बचाकर तकसीर खान के ही घर में एक कमरे में छुप गए। लेकिन, गुस्साए ग्रामीण उन्हें बाहर निकालकर जिंदा जलाने की तैयारी कर रहे थे।

इस बीच, घटना की जानकारी गढ़वा पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही गढ़वा थाना से पुलिस अवर निरीक्षक इस्माइल आजाद, आरक्षी नवसे करकटा, बसंत उरांव और चालक हरेंद्र कुमार सिंह दल-बल के साथ मौके पर पहुंच गए। लेकिन ग्रामीणों ने पुलिस टीम को घेर लिया और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। स्थिति बेकाबू होता देख पुलिस ने तुरंत थाना प्रभारी बृज कुमार को सूचना दी।

कुछ ही देर में थाना प्रभारी अतिरिक्त बल के साथ घटनास्थल पहुंचे। पुलिस टीम को देखकर हमलावर ग्रामीण मौके से भाग खड़े हुए। इसके बाद सभी घायलों को बाहर निकालकर सुरक्षित सदर अस्पताल लाया गया।

हमले में पुलिसकर्मियों के अलावा रकीबा खातून और उसके मायके पक्ष के कई सदस्य भी घायल हुए हैं। सभी घायलों का इलाज गढ़वा सदर अस्पताल में चल रहा है, जहां डॉक्टरों ने फिलहाल उन्हें खतरे से बाहर बताया है।

घटना के बाद से गुरदी गांव और आसपास का माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। पुलिस ने गांव में सतर्कता बढ़ा दी है और दोषियों की पहचान की जा रही है। इस संबंध में थाना प्रभारी बृज कुमार ने कहा कि ह्लकानून अपने हाथ में लेने वाले लोगों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।